सतना
03 जून 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

विराट कोहली आईपीएलजीतने के बाद प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे

पत्नी अनुष्का भी साथ थीं; वृंदावन आश्रम में दोनों नंगे पैर चलते नजर आए

मथुरा, एजेंसी। आईपीएल जीतने के बाद क्रिकेटर विराट कोहली और पत्नी अनुष्का शर्मा ने वृंदावन में संत प्रेमानंद के दर्शन किए। दोनों मंगलवार सुबह 7 बजे केली कुंज आश्रम पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर कार से उतरे और नंगे पांव आश्रम के अंदर गए।

संत प्रेमानंद के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन और त्रिपुंड लगा था। उनके हाथ में एक किताब भी थी। प्रेमानंदजी से मिलने के बाद 150 मीटर दूर दोनों बड़े गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पैदल पहुंचे। यहां हित गोविंद शरण महाराज के दर्शन किए।

इससे पहले, विराट और अनुष्का ने इसी साल 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन भी संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए थे और सत्संग सुना था।

कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने 31 मई को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जीता था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टीम ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया था। फाइनल में विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी लगाई थी। कोहली फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे थे।

बिहार में अब मदरसों की होगी जांच, 10 दिनों में सौंपनी होगी सम्राट सरकार को रिपोर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की बीजेपी की अगुआई वाली एनडीए सरकार ने मदरसों के संबंध में एक बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत राज्य के सभी अराजकीय मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसों की जांच की जाएगी. शिक्षा विभाग ने इसके लिए प्रदेश के सभी

जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया है. इसमें कहा गया है कि सभी मदरसों में शिक्षा तथा गुणवत्ता की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार की जाए और उसे 10 दिन के अंदर सरकार को सौंपा जाए. इसके लिए तीन सदस्यों वाली एक समिति गठित करने का आदेश दिया गया है. यह समिति सभी मदरसों का दौरा करेगी और इन मदरसों में कार्यरत शिक्षकों तथा कर्मचारियों की नियुक्ति, उनकी उपस्थिति के अलावा मदरसों की शैक्षणिक व्यवस्था की जांच करेगी।

शिक्षा विभाग का आदेश

मदरसों की जांच के बारे में यह आदेश बिहार सरकार के शिक्षा विभाग निदेशालय के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल की ओर से जारी किया गया है. आदेश में कहा गया है कि बिहार के विभिन्न जिलों में अराजकीय मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसों का संचालन किया जा रहा है।

रिपोर्ट : लेबनान पर इजराइली हमले से ट्रम्प नाराज

नेतन्याहू को फोन कर फटकार लगाई, कहा- पागल हो गए हो क्या, तुरंत ये सब रोको

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ट्रम्प ने सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात करते हुए लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में नेतन्याहू को 'पागल' कह दिया और उन पर एहसान न मानने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान पर हमले के बाद ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि अगर इजराइली कार्रवाई जारी रही तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत छोड़ सकता है।

इससे नाराज ट्रम्प ने नेतन्याहू को फोन किया। सूत्रों के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में कहा- तुम पागल हो गए हो क्या? आखिर तुम कर क्या रहे हो। मेरा एहसान मानो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हें बचा रहा हूं।

लेकिन अब हर कोई तुमसे नाराज है। हर कोई इजराइल से भी नाराज है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प खास तौर पर इस बात से परेशान थे कि लेबनान में बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे जा रहे हैं और एक हिजबुल्लाह कमांडर को निशाना बनाने के लिए पूरी इमारतें गिराई जा रही हैं।

आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ने मंदिर में दर्शन किए

माता-पिता और पत्नी भी साथ; बोले- पांच राज्यों में सफल चुनाव के बाद आशीर्वाद लेने आया

आगरा, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आगरा पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह 6:30 बजे उन्होंने पत्नी और माता-पिता के साथ कैलाश महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। पिता का हाथ थामकर आरती की। दुग्धाभिषेक किया। करीब 45 मिनट तक मंदिर में रहे।

मंदिर के बाहर मीडियाकर्मियों से मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- पांच राज्यों (प. बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम्, पुडुचेरी) में सफल चुनाव संपन्न होने के बाद पत्नी अनुराधा के साथ आगरा आया हूं। पिता और मां का आशीर्वाद लिया, इसके बाद महादेव की पूजा की।

उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव भी पारदर्शी होंगे। शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनावों की आधारशिला है, इसलिए देश के लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनवाना चाहिए और चुनावों में मतदान करना चाहिए। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त मनकामेश्वर महादेव मंदिर जाएंगे।

भारत में रह रहे विदेशियों के लिए इमिग्रेशन नियम बदले

180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे

ऑनलाइन अपील का ऑप्शन मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की।नए नियमों के तहत विदेशी नागरिक अब 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी दिया गया है।पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था। अब वे 180 दिन पूरे होने से पहले किसी भी समय रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। सरकार ने यह भी कहा है कि तय समय निकलने के बाद रजिस्ट्रेशन सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा।

ऑनलाइन अपील का प्रावधान जोड़ा गया: पहली बार ऑनलाइन अपील की व्यवस्था जोड़ी गई है। किसी आदेश से प्रभावित व्यक्ति अब ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आयुक्त के पास ऑनलाइन अपील कर सकेगा। आदेश मिलने के 30 दिन के भीतर अपील करनी होगी। आयुक्त को संबंधित पक्ष की सुनवाई के बाद फैसला देना होगा। 60 दिन के भीतर मामले का निपटारा करने की कोशिश करना होगा।

बच्चों की नागरिकता से जुड़े नियम भी बदले : अगर माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक है और बच्चे की भारतीय नागरिकता बनाए रखना चाहता है, तो बच्चे पर विदेशी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन वाले नियम लागू नहीं होंगे। वहीं, भारत में रह रहा कोई बच्चा किसी दूसरे देश की नागरिकता हासिल करता है, तो उसके माता-पिता को 30 दिन के भीतर इसकी जानकारी रजिस्ट्रेशन अधिकारी को देनी होगी। इसके अलावा कुछ मामलों में सूचना देने की समय-सीमा 24 घंटे तय की गईहै। गृह मंत्रालय ने ये बदलाव इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 की धारा 30 के तहत किए हैं। इसके लिए इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 जारी किए गए हैं।

लामिछाने ने नितिन नवीन से की मुलाकात

भारत-नेपाल के बीच संबंधों पर विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल के सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से यहां पार्टी मुख्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच नेपाल-भारत के संबंधों, लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। भाजपा अध्यक्ष नवीन के निमंत्रण पर सोमवार को पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए लामिछाने का मंगलवार सुबह भाजपा मुख्यालय में भव्य स्वागत किया गया।

भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक झांकी, फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़े के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यालय पहुचने पर उनका स्वागत करने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा के विदेश मामलों के प्रमुख विजय चौथाईवाले सहित कई नेता शामिल रहे। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने आरएसपी अध्यक्ष लामिछाने का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया और उन्हें समृति चिह्न भेंट किया। वहीं लामिछाने ने नेपाल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माने जाने वाले पशुपतिनाथ मंदिर से लाया गया विशेष टीका और रुद्राक्ष एवं तुलसी की माला भेंट कर भाजपा अध्यक्ष का सम्मान किया।

तिरुपति में सिर मुंडवाने का नया रिकॉर्ड, एक साल में 12.4 लाख भक्तों ने चढ़ाए बाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमाला तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर को बाल चढ़ाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। मंदिर प्रबंधन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) के अनुसार, 1 से 27 मई तक कुल 12,43,063 श्रद्धालुओं ने अपने बाल अर्पित किए। यह आंकड़ा पिछले वर्षों को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड बना है।

पिछले सालों से तुलना

मई 2024 में यह संख्या लगभग 10.65 लाख थी, जबकि इससे पहले की अवधि में 10.18 लाख भक्तों ने बाल चढ़ाए थे। मंदिर अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों की छुट्टियों, हफ्ते के आखिरी मे भीड़ और देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों के आने से इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक दिन का रिकॉर्ड

18 से 23 मई के बीच रोजाना 50,000 से अधिक भक्तों ने मुंडन करवाया। खासतौर पर 23 मई को 57,580 बाल चढ़ावे दर्ज किए गए, जो हाल के वर्षों में एक दिन का सबसे अधिक आंकड़ा है।

24 घंटे मुंडन सेवाएं

भीड़ को ठीक तरीके से संभालने के लिए ञ्ञ्ञष्ठ ने मुख्य कल्याणकट्टा सहित 11 मिनी मुंडन केंद्रों पर सेवाएं 24 घंटे चालू रहती हैं। 1,150 से अधिक नाई (जिनमें 269 महिला नाई शामिल हैं) शिफ्ट में काम कर रहे हैं ताकि भक्तों को बिना इंतजार के समय में सेवा मिल सके।

167 करोड़ के बाल

धार्मिक आस्था के साथ-साथ ये बाल TTD के लिए बड़े राजस्व का स्रोत भी बन गए हैं। इन्हें 'काला सोना' कहा जाता है। इकट्ठा किए गए बालों को सॉर्टिंग और ग्रेडिंग के बाद चीन, इटली, अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों में नीलाम किया जाता है, जहां इनका उपयोग विग, हेयर एक्सटेंशन और ब्यूटी प्रोडक्ट्स में होता है।आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 में बाल नीलामी से 67 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, जो 2023-24 में बढ़कर 167 करोड़ रुपये हो गई। 2024-25 में यह 190 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है और अगले वित्तीय वर्ष में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।

हिमाचल पंचायत चुनाव में 443 नेता अनपढ़ जीते

63% जनप्रतिनिधि 10वीं या इससे कम पढ़े-लिखे, 21-30 साल के 13% युवाओं को कमान; महिलाओं का दबदबा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में हाल में संपन्न पंचायत और शहरी निकाय चुनावों में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। मगर ज्यादा पढ़े-लिखे नेता स्थानीय राजनीति में नहीं आ रहे। स्टेट इलेक्शन कमीशन के अनुसार, 63 फीसदी जनप्रतिनिधि केवल 10वीं पास या इससे कम पढ़े-लिखे चुनाव जीते हैं।राज्य में 443 (1.43%) जनप्रतिनिधि अनपढ़, 13 हजार 786 (44.46%) मैट्रिक पास और 5 हजार 748 (18.54%) 10वीं से भी कम पढ़े-लिखे विजयी रहे। पंचायतों में चुने गए 31 हजार 002 जनप्रतिनिधियों में से एमए डिग्रीधारक केवल 1 हजार 251

(4.03%), ग्रेजुएट 2 हजार 601 (8.39%) और 7 हजार 177 (23.15%) 12वीं पास हैं।

21 से 30 साल के युवाओं की राजनीति में एंट्री: पंचायत चुनाव में 21 से 30 साल के 13% युवा और 31 से 40 साल आयु वर्ग के 10 हजार 848 (34.99%) प्रतिनिधि चुनाव जीतकर आए हैं। आंकड़े बताते हैं कि युवाओं की राजनीति में दिलचस्पी बढ़ी है। इसी तरह, 31 से 40 वर्ष आयु वर्ग के उम्मीदवारों को भी जनता ने स्थानीय नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी है।

शहरी निकायों में 41 से 50 साल के नेताओं का दबदबा: वहीं, शहरी निकायों में 41 से 50 साल के नेताओं का ज्यादा दबदबा है। राज्य में इस बार पंचायत चुनाव में लगभग 31,002 प्रधान, उपप्रधान, वार्ड सदस्य, बीडीसी सदस्य और जिला परिषद सदस्य चुने गए, जबकि नगर परिषदों व नगर पंचायतों में 400 पार्षद और 4 नगर निगमों में 63 पार्षद चुनाव जीतकर आए हैं।

जज के सामने आई हाथापाई की नौबत, चिल्लाकर बोलीं गिरिबाला- ट्विशा के वकील ने बेटे को थप्पड़ मारा

भोपाल, एजेंसी। ट्विशा मामले में आरोपी पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने मंगलवार को कोर्ट में अपना पक्ष खुद भी रखा. इस दौरान कोर्ट रूम में जमकर बहस हुई. बताया जा रहा है गिरिबाला बहुत गुस्से में कई बार चिल्लाई और सीसीटीवी को लेकर बताया कि मुझे नहीं मालूम फुटेज किसने बाहर किए. उन्होंने कोर्ट में जज के सामने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने उनके बेटे समर्थ को जबलपुर हाईकोर्ट में थप्पड़ मारा था. आज सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है ।

जब हाथापाई की नौबत आई

सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह के आरोपों पर ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव भड़क गए और दोनों पक्षों के बीच जमकर नोकझोंक हुई. इस दौरान कोर्ट रूम में जज के सामने ही हाथापाई की नौबत तक आ गई और ट्विशा के वकील ने गिरिबाला से थप्पड़ के आरोप पर 'शिकायत कहा हैं?' पूछा।

30 हजार के इनामी को कैसे जज के कमरे में मिली शरण- ट्विशा का वकील

ट्विशा के वकील ने कहा कि समर्थ जबलपुर प्रिंसपल डिस्ट्रिक्ट सेशन जज के कमरे में बैठा था, फिर जवाब में समर्थ के वकील ने कहा कि उसका अधिकार है वो सुरक्षित शरण ले. इस पर अनुराग ने आपत्ति जताते हुए कहा कि 30 हजार के इनामी को आखरी कैसे जबलपुर प्रिंसपल सेशन जज के यहां शरण मिल गई, इसकी जांच हो।

यूपी-म.प्र. सहित 23 राज्यों में आंधी-बारिश, गर्मी से राहत

● आगरा में बारिश से सड़कें धंसी, मकान ढहा ● मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ, एजेंसी। देश के 23 राज्यों में जून की शुरुआत गर्मी से राहत लेकर आई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार के कई इलाकों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। इससे तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार सुबह एक घंटा तेज हवा चली और बारिश हुई। इससे कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। कई जगह सड़कें धंस गई। फुटपाथ धंसने से 25 फीट का गड्ढा बन गया। एक मकान का अगला हिस्सा गिर गया।दिल्ली में 1 जून का दिन पिछले तीन सालों की तुलना में सबसे ठंडा रहा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.3डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश और बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में

केरलम पहुंच सकता है। पहले 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है और अगले डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है।

बाड़मेर और जैसलमेर में आंधी-तूफान से 3 की मौत

रिसॉर्ट की दीवार गिरी, मकान भी ढहे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने के कारण मौसम बदल गया है। आंधी-बारिश से कारण गर्मी और लू से राहत मिली है। तापमान भी सामान्य से 5 डिग्री नीचे आया है। मौसम विभाग ने 2 जून को भी 19 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इसका असर 5 जून तक रहेगा। वहीं, सोमवार को जैसलमेर और बाड़मेर में हुए अलग-अलग हादसों में दो बच्चों सहित 3 लोगों की मौत हो गई ।कोटा, उदयपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, अजमेर सहित कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। सोमवार को सबसे अधिक तापमान फलोदी में 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अगले 2-3 दिन में दस्तक देगा मानसून, दिल्ली यूपी बिहार समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

लखनऊ, पटना, दिल्ली, एजेंसी। देश के मौसम मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिण पश्चिम मानसून किसी भी वक्त केरल में दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित देश के 17 राज्यों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है। अगले 2-3 दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में प्रवेश करने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं। जिसके चलते पूर्वोत्तर और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में 50 से 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गंभीर तूफान आने और ओलावृष्टि की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत: दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 1 से 5 जून के बीच हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। विशेषकर 3 और 4 जून को 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी यूपी में 3 और 4 जून को तेज आंधी (50-70 किमी/घंटा) की चेतावनी है, जबकि 2 और 5 जून को बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड में 6 जून गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम वर्षा जारी रहेगी। राजस्थान में 2 जून को तूफानी हवाएं चलेंगी और 3-5 जून के दौरान अलग-अलग हिस्सों में बारिश होगी। जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 जून के दौरान तेज आंधी और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना है। 6 जून को भी बारिश हो सकती है।

मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों का हाल: पश्चिमी एमपी में 2-3 जून को भारी बारिश होगी और पूर्वी एमपी में 5 जून तक हल्की बारिश जारी रहेगी। छत्तीसगढ़ और विदर्भ (महाराष्ट्र) में 2 से 5 जून के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। गुजरात में 4 जून के बीच गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत: केरल और माहे में 3 से 7 जून के दौरान कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। तमिलनाडु और पुडुचेरी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और पूरे सप्ताह गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। आंध्र प्रदेश में 2 जून को भारी बारिश की संभावना है। तेलंगाना में 5 जून तक हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत: अगर बात करें पूर्वी भारत की तो बिहार में 5 और 6 जून को तथा झारखंड में पूरे सप्ताह गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4 से 6 जून के बीच भारी बारिश होगी। ओडिशा में 2 जून को 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलेंगी, जबकि 3 से 5 जून के बीच भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 1 से 7 जून तक भारी बारिश जारी रहेगी। असम और मेघालय में 4 से 7 जून के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 और 7 जून को भारी बारिश होने की संभावना है।

क्यों हुई मानसून आने में देरी: आमतौर पर केरल में एक जून के आसपास मानसून पहुंचता रहा है। आईएमडी ने पहले 26 मई को केरल में मानसून के आगमन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन अल नीनो की मानसून में देरी हुई। विभाग ने 29 मई को कहा था कि यह अगले सप्ताह पहुंच सकता है। साथ ही कहा था कि इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होगी। इसकी वजह अल-नीनो की स्थिति का उभरना हो सकता है, जो भारत में मानसून के दौरान कम वर्षा का कारण बनता है। आईएमडी ने कहा- 'दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं जो दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, लक्षद्वीप द्वीप समूह, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में अगले दो से तीन दिनों में आ सकता है।

राजा रघुवंशी मर्डर केस सोनम की जमानत रद कराने मेघालय सरकार पहुंची कोर्ट

शिलांग, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्या कांड में आरोपित सोनम की जमानत निरस्त कराने मेघालय सरकार ने सोमवार को कोर्ट के समक्ष अपना पक्ष रखा। शासन की ओर से सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि किन साक्ष्य के आधार पर सोनम व अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी की गई थी। मामले पर अगली सुनवाई तीन जून को होगी, जिसमें सोनम के वकील जमानत आदेश को यथावत रखने के संबंध में अपना पक्ष रखेंगे। बता दें कि इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या शिलांग में हुई थी। मामले में राजा की पत्नी सोनम, उसके कथित प्रेमी राज और तीन अन्य साथियों को मेघालय पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन सोनम को जमानत मिल गई। मेघालय सरकार ने अब हाई कोर्ट में अपील दायर कर सोनम की जमानत निरस्त कराने की मांग की है। जमानत की शर्तों के अनुसार, सोनम फिलहाल शिलांग में ही रह रही है। वहीं राज सहित अन्य तीन आरोपित जेल में हैं।

गाजियाबाद के एसके होम्स अपार्टमेंट में देर रात लगी आग, दमकल ने परिवार के 4 सदस्यों को बचाया

गाजियाबाद, एजेंसी। अवंतिका कॉलोनी फेस-दो स्थित एसके होम्स अपार्टमेंट में सोमवार देर रात तीसरी मंजिल के एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। आग और धुएं के बीच फ्लैट में फंसे एक ही परिवार के चार लोगों को दमकल विभाग ने सीढ़ी लगाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि फ्लैट में मौजूद तीन पालतू कुत्तों की दम घुटने से मौत हो गई। दमकल को हादसे की वजह शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट लग रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि सोमवार देर रात करीब तीन बजे कोतवाली फायर स्टेशन को सूचना मिली कि अवंतिका फेस-दो में एक फ्लैट में आग लगी है और उसमें लोग फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही घंटाघर फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। रास्ते में ही फायर विभाग ने फ्लैट में फंसे लोगों से फोन पर संपर्क कर उन्हें बालकनी में सुरक्षित रहने के निर्देश दिए।

मेन डोर तोड़कर किया प्रवेश: करीब 3:20 बजे दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा कि प्लाट नंबर-1 स्थित चार मंजिला एसके होम्स इमारत के तीसरे तल पर बने फ्लैट में आग लगी थी। फ्लैट निवासी 52 वर्षीय पवन शर्मा, उनकी पत्नी, बेटा और बेटी धुएं से घिरे बालकनी में मदद का इंतजार कर रहे थे। दमकलकर्मियों ने तुरंत एक्सटेंशन लैडर लगाकर चारों को सुरक्षित नीचे उतारा। इसके बाद दमकल विभाग ने फ्लैट के मुख्य दरवाजे को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। दो तरफ से हौज लाइन फैलाकर आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

दम घुटने से कुत्ते की मौत: आग ड्राइंग रूम और मुख्य दरवाजे के पास सबसे ज्यादा फैली हुई थी। सीएफओ के मुताबिक शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। आग किचन, स्टोर रूम, ड्राइंग रूम और एक बेडरूम तक फैल गई थी। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के बाद पूरे फ्लैट की तलाशी ली गई, जिसमें तीन पालतू कुत्ते मृत मिले। माना जा रहा है कि अत्यधिक धुएं के कारण उनका दम घुट गया।

चेन्नई में निर्माण स्थल पर अस्थायी ढांचा गिरा, झारखंड के प्रवासी श्रमिक की मौत

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में एक निर्माणाधीन स्थल के श्रमिक शिविर में लोहे का अस्थायी ढांचा गिरने से झारखंड के एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। इसके साथ ही इस हादसे में 35 लोग घायल हो गए। रविवार देर रात यह हादसा उस समय हुआ, जब आईपीएल का फाइनल मैच चल रहा था। लगभग सौ से अधिक श्रमिक शांति नगर मेन रोड पर स्थित अस्थायी आवासीय परिसर में मोबाइल फोन और अन्य पोर्टेबल उपकरणों पर मैच देख रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बड़ी संख्या में श्रमिक दो मंजिला औद्योगिक शेड की पहली मंजिल पर बने अस्थायी ऊंचे रैंप और प्लेटफार्म पर एकत्र हो गए थे।पुलिस के अनुसार, भीड़ बढ़ने और लोगों के रेलिंग पर झुकने के कारण यह अस्थायी ढांचा भार नहीं सह सका और अचानक ढह गया। इससे श्रमिक लगभग 15 फुट नीचे भूतल पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों, पुलिस और शिविर में मौजूद अन्य श्रमिकों ने राहत अभियान शुरू किया। आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने झारखंड के मूल निवासी ब्रिंजी मांझी सहित 21 घायल श्रमिकों को गिंडी के सरकारी कलैग्नार शताब्दी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया। सिर में गंभीर चोट लगने से मांझी को बाद में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के उनकी मृत्यु हो गई। अन्य घायल श्रमिकों को पोरूर स्थित श्रीरामचंद्र मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, कोलकाता निवासी सुखानी नामक एक अन्य श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई है।

जनवरी से मई में पिछले आठ साल का सबसे बेहतर एक्यूआई, औसत एक्यूआई 211 किया गया दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की हवा इस साल पहले के मुकाबले और साफ हुई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अनुसार, जनवरी से मई 2026 के बीच राजधानी का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 211 दर्ज किया गया। कोविड-19 लॉकडाउन वाले वर्ष 2020 को छोड़ दें तो यह पिछले आठ वर्षों में इसी अवधि का सबसे बेहतर स्तर है। तुलना करें तो 2025 में औसत एक्यूआई 214, 2024 में 231, 2022 में 238 और 2018 में 243 दर्ज किया गया था।इस साल मई में भी हवा की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिला। इस महीने का औसत एक्यूआई 157 रहा, जबकि मई 2025 में यह 170 और मई 2024 में 223 था। इस साल जनवरी से मई के बीच अच्छी और मध्यम श्रेणी वाले 75 दिन दर्ज किए गए, जबकि 2025 में ऐसे 70 दिन और 2022 में केवल 37 दिन थे। 5 मई को दिल्ली का सबसे साफ दिन दर्ज हुआ, जब एक्यूआई 86 तक पहुंच गया। वहीं 20 मार्च और 8 अप्रैल को एक्यूआई 93 रहा। दूसरी ओर 18 जनवरी को साल का सबसे प्रदूषित दिन रहा, जब एक्यूआई 440 दर्ज किया गया।

लू भी चली, बारिश भी हुई : मई के दौरान 18 से 21 तारीख के बीच भीषण लू चली और कई इलाकों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। इसके बावजूद महीने में 17.61 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि समय-समय पर हुई बारिश, हवाओं की दिशा में बदलाव और मौसम के पैटर्न ने प्रदूषण कम करने में मदद की।

क्या बताता है एक्यूआई : एक्यूआई 0 से 50 के बीच हो तो हवा साफ मानी जाती है। 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बेहद खराब और 401 से 500 के बीच की स्थिति गंभीर मानी जाती है। गंभीर श्रेणी की हवा लंबे समय तक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है।

मुखर्जी नगर में कैंची से दर्जनों बार हमला कर सहकर्मी को मौत के घाट उतारा, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुखर्जी नगर में सोमवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गद्दे बनाने की दुकान पर काम करने वाले दो सहकर्मियों के बीच मामूली-सी कहासुनी ने इस कदर खौफनाक रूप ले लिया कि कैंची से दो दर्जन से अधिक वार कर अपने ही सहकर्मी की निर्ममता से हत्या कर दी।

सहकर्मी जान बचाने के लिए सड़क पर दौड़ता रहा और हमलावर कैंची से प्रहार करता रहा। स्वजन का कहना है कि मृतक के शरीर पर करीब 40 वार पाए गए। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक और हमलावर दोनों दिल्ली के पटेल चेस्ट में रहने वाले हैं। यह सनसनीखेज घटना सोमवार सुबह लगभग 10 बजे मुखर्जी नगर के हडसन लेन इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि मुखर्जी नगर थाना पुलिस को चाकूबाजी की घटना के बारे में पीसीआर काल मिली। पुलिस तुरंत एच-16, हडसन लेन पहुंची।

पूछताछ में पता चला कि मृतक दिलबहार (38) गद्दे बनाने की दुकान पर काम करता था। उसका अपने साथ काम करने वाले अशफाक उर्फ शहजाद (42) से एक छोटी सी बात पर झगड़ा हो गया था।

आरोपित ने दिलबहार पर कैंची से कई बार हमला किया: झगड़े के दौरान आरोपित ने दिलबहार पर कैंची से कई बार हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बाबू जगजीवन राम अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपित अशफाक उर्फ शहजाद को पकड़ लिया गया है। आरोपित मूलतः बिहार का रहने वाला है। मृतक दिलबहार मूल रूप से बाराबंकी (उत्तर प्रदेश) जिले के बरांव गांव का रहने वाला था। दुकानदार शाहवेद आलम ने बताया कि मृतक 10-12 वर्ष से दुकान पर काम के रहा था। जबकि अशफाक पहले काम करता था और कुछ समय पहले ही दोबारा काम पर आया था। दोनों के बीच पहले गाली-गलौज हुई, फिर झगड़ा हुआ। अशफाक ने दिलबहार पर कैंची से हमला कर दिया। बचने के लिए भागा और लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन अशफाक लगातार वार करता रहा।

रिश्तेदार ने कहा, 40 से अधिक वार किए: मृतक के साले इस्लाम ने बताया कि कि गर्दन व पेट के अलावा शरीर पर कैंची से लगभग 40 से अधिक वार किए गए है। उसके परिवार में पत्नी व दो बेटियां है।

ट्रंप के संघर्ष विराम दावे के बीच नेतन्याहू ने दी ये चेतावनी हिजबुल्ला ने हमले रोकने पर जताई सहमति

तेल अवीव/ बेरूत, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता से इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होती दिख रही है, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि इस्राइल और हिजबुल्ला दोनों ने हमले रोकने पर सहमति जताई है, वहीं दूसरी ओर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि हिजबुल्ला उत्तरी इस्राइल पर हमले जारी रखता है तो इस्राइल बेरूत में सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से बातचीत में साफ कर दिया है कि यदि हिजबुल्ला इस्राइली शहरों और नागरिकों पर हमले बंद नहीं करता तो इस्राइल बेरूत में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की कार्रवाई पहले से तय योजना के अनुसार जारी रहेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्या किया था दावा: इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उनकी नेतन्याहू और हिजबुल्ला के प्रतिनिधियों से अलग-अलग बातचीत हुई। उनके अनुसार, इस्राइली सेना बेरूत में प्रवेश नहीं करेगी और वहां की ओर बढ़ रही सैन्य टुकड़ियों को वापस लौटने का आदेश दिया गया है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हिजबुल्ला ने भी गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई है और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला नहीं करेंगे।

हिजबुल्ला को अमेरिकी प्रस्ताव स्वीकार: इसी बीच लेबनान के राष्ट्रपति कार्यालय ने भी पुष्टि की कि हिजबुल्ला ने अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। प्रस्ताव के तहत बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इस्राइली हमले रोके जाएंगे ।

ट्रंप प्रशासन की लापरवाही से ताकतवर हो सकती है चीनी सेना अमेरिकी सांसदों ने क्यों लगाए ये गंभीर आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर निर्यात नियंत्रण नियमों में खामी छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस चूक के कारण अमेरिका की अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (द्ध) चिप्स चीनी कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिससे चीन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की आशंका है। मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और न्यू जर्सी के सीनेटर एंडी किम ने कहा कि पिछले 18 महीनों में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट न करने के कारण उन्नत अमेरिकी तकनीक अनजाने में चीन स्थित कंपनियों तक पहुंच सकती है। दोनों सांसदों ने संयुक्त बयान में कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने पिछले डेढ़ साल में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट नहीं किया, जिससे अमेरिका की सबसे उन्नत द्ध चिप्स उन कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिनके मुख्यालय चीन में मौजूद हैं और इससे चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ावा मिल सकता है।' यह बयान अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा निर्यात प्रतिबंधों में मौजूद एक संभावित खामी को दूर करने के कदम के बाद आया है। यह खामी उन उन्नत द्ध प्रोसेसरों से जुड़ी थी, जिनका निर्माण एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियां करती हैं।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने लाइसेंस को अनिवार्य किया: वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी ने साफ किया है कि चीन मुख्यालय वाली कंपनियों को निर्यात किए जाने वाले उन्नत चिप्स पर लाइसेंस संबंधी शर्तें लागू होंगी, भले ही वे कंपनियां विदेशों में स्थित अपनी सहायक इकाइयों के माध्यम से काम कर रही हों।

दो देशों के बीच ड्रग्स तस्करी के लिए खोदी सुरंग लिफ्ट से लेकर रेल तक की सुविधा 427 करोड़ की कोकीन जब्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसियों ने मेक्सिको से दक्षिणी कैलिफोर्निया तक फैली एक अत्याधुनिक भूमिगत सुरंग का भंडाफोड़ किया है। इसके साथ ही करीब 427 करोड़ रुपये की एक टन से अधिक कोकीन भी जब्त की है। अधिकारियों ने इसे एक शक्तिशाली मैक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया है। कई महीनों तक चली निगरानी के बाद इस गुप्त तस्करी मार्ग का खुलासा हुआ, जो अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास स्थित एक कथित खुदरा स्टोर के नीचे से होकर गुजरता था। इस मामले में चार लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं।

रिटेल स्टोर के नीचे बनाई थी सुरंग: यह भूमिगत सुरंग मेक्सिको के तिजुआना शहर से कैलिफोर्निया के ओटे मेसा पोर्ट ऑफ एंट्री के पास स्थित 'बाय 4 लेस' नामक कथित स्टोर तक जाती थी। संघीय अधिकारियों के अनुसार,

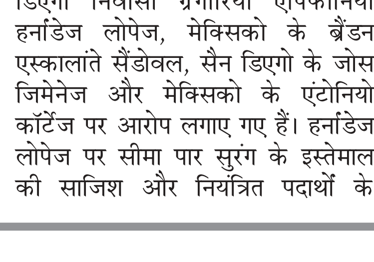

सुरंग की लंबाई करीब 1,933 फीट थी और यह जमीन से लगभग 55 फीट नीचे बनाई गई थी। इसमें मजबूत दीवारें, बिजली, वेंटिलेशन सिस्टम और रेल नेटवर्क भी मौजूद था। इस मामले में सैन डिएगो निवासी ग्रेगोरियो एपिफानियो हर्नांडेज लोपेज, मेक्सिको के ब्रैंडन एस्कालांते सैंडोवल, सैन डिएगो के जोस जिमेनेज और मेक्सिको के एंटोनियो कॉर्टेज पर आरोप लगाए गए हैं। हर्नांडेज लोपेज पर सीमा पार सुरंग के इस्तेमाल की साजिश और नियंत्रित पदार्थों के आयात की साजिश का आरोप है। वहीं, चारों आरोपियों पर नियंत्रित पदार्थों के वितरण की साजिश का मामला दर्ज किया गया है।

भारी-भरकम सूटकेसों की आवाजाही ने बढ़ाया शक: अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'इन आरोपियों के लिए सुरंग के आखिर में रोशनी नहीं थी, बल्कि पुलिस की लाइटें और सायरन थे।' यह जांच होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच की। एजेंसियों ने पाया कि 'बाय 4 लेस' नामक व्यवसाय में ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम थी और उसकी गतिविधियां सामान्य खुदरा कारोबार से मेल नहीं खाती थीं। जांचकर्ताओं ने हर्नांडेज और अन्य लोगों को कई बार बड़े सूटकेस परिसर से बाहर ले जाते और अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते देखा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 851 पैकेट मिले, जिनमें मौजूद पदार्थ की जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त खेप में एक ट्रक से 286.2 किलोग्राम, दूसरे ट्रक से 469.4 किलोग्राम और एक वैन से 274 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई। कुल मिलाकर लगभग 1,029.6 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई।

ड्रग्स कार्टेल के लिए बड़ा झटका

होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशंस (एचएसआई) सैन डिएगो के कार्यवाहक विशेष एजेंट प्रभारी केविन मर्फी ने कहा, 'यह कार्रवाई जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के लिए बड़ा झटका है। इस अत्याधुनिक सीमा-पार सुरंग का पता लगना और एक टन से अधिक कोकीन की बरामदगी एचएसआई और उसके साझेदारों की प्रतिबद्धता और समन्वय को दर्शाता है।' स्टोर के अंदर जांचकर्ताओं को एक भंडारण कक्ष के फर्श के नीचे सुरंग का निकास मिला। अधिकारियों के अनुसार, सुरंग तक पहुंचने के लिए एक अत्याधुनिक हाइड्रोलिक लिफ्ट का इस्तेमाल किया जाता था। यह सुरंग स्टोर से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक 1,000 फीट से अधिक दूरी तक जाती थी और फिर मेक्सिको में आगे बढ़ती थी।

अब तक 99 भूमिगत सुरंगों को हुआ खुलासा

अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल के सैन डिएगो सेक्टर प्रमुख जस्टिन डी ला टोरे ने कहा, 'आपराधिक संगठन लगातार सीमा का फायदा उठाने के नए तरीके खोजते हैं, लेकिन वे इसकी रक्षा करने वाले अधिकारियों के संकल्प को कम आंकते हैं। ' अधिकारियों के अनुसार, 1993 से अब तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में 99 भूमिगत सुरंगों का पता लगाया जा चुका है, जिनमें से 28 को अत्याधुनिक श्रेणी में रखा गया है। इस क्षेत्र में आखिरी सक्रिय सुरंग 2022 में मिली थी।

जनजागरूकता और सख्ती से कम होंगी सड़क दुर्घटनाएं : सांसद

एक जुलाई से बंद होगा पुराना बस स्टैंड, नए बस स्टैंड में सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सांसद एवं समिति अध्यक्ष डॉ. राजेश मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन दुर्घटना नियंत्रण, जनजागरूकता तथा नए बस स्टैंड के संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई सांसद ने संबंधित विभागों को समन्वित प्रयासों के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए बैठक में बताया गया कि आगामी 1 जुलाई से पुराने बस स्टैंड का संचालन बंद किया जाना प्रस्तावित है। इसे ध्यान में रखते हुए सांसद ने नए बस स्टैंड में यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग एवं यातायात संचालन से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए बस स्टैंड के संचालन से आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए और यातायात व्यवस्था भी अधिक व्यवस्थित होनी चाहिए सांसद ने जिले में चिन्हित सड़क दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया जाए तथा वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, सड़क सुरक्षा चिन्ह, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए बैठक में बिना नंबर प्लेट संचालित वाहनों तथा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है शहरी क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा अतिक्रमण नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए, जिससे नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री सड़क दुर्घटना पीड़ित कैशलेस उपचार योजना (पीएम राहत योजना) की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर के भीतर त्वरित एवं कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है।योजना के तहत पात्र पीड़ितों को दुर्घटना की तिथि से सात दिनों तक अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ प्राप्त कर सकें बैठक में राहवीर योजना की भी समीक्षा की गई। सांसद ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित इस योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए जिससे दुर्घटना के समय लोग बिना किसी भय के पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आएं सांसद ने हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर विशेष जोर देते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है यातायात नियमों का पालन कर अनेक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, जिले के समस्त उपखंड अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जंगली हाथी के हमले में मृत दंपत्ति के परिजनों को 16 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम तिलया में एक जून को जंगली हाथी के हमले में हुई दुखद घटना में मृतक स्व. श्री भैयालाल यादव एवं स्व. श्रीमती सियावती यादव के निकटतम वारिसों को शासन के नियमानुसार कुल 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए राहत राशि स्वीकृति पत्र वारिसों को सौंपा सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य रखने का संबल प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शासन एवं प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है तथा उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी बैठक में जिला प्रशासन की ओर से भी घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही ग्रामीणों को सतर्कता संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं इस अवसर पर संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत विस्थापन कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रभावित गांवों की स्थिति पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं तथा सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने विस्थापन प्रक्रिया को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि वन्यजीव प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का सतत मूल्यांकन किया जा रहा है उन्होंने गुरुवार को स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने की बात कही कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों को शासन की सभी पात्र हितलाभ योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाए तथा ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

हिरण नाले एवं अमहा तालाब का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने और गहरीकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने मंगलवार सुबह नगर पालिका एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम के साथ हिरण नाले का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था एवं अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नाले के आसपास किए गए अतिक्रमणों को चिन्हित कर उन्हें हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ मौके पर कार्ययोजना तैयार करते हुए नाले की नियमित सफाई, जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा अतिक्रमण मुक्त करने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल स्रोतों एवं नालों का संरक्षण शहर की स्वच्छता और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है इसके पश्चात कलेक्टर ने अमहा तालाब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब की वर्तमान स्थिति का अवलोकन कर जल संरक्षण एवं जल संचयन क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गहरीकरण कार्य के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक, तहसीलदार राकेश शुक्ला सहित नगर पालिका एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में शुरू हुआ जैविक संसाधन केंद्र, अब किसानों को एक ही स्थान पर मिलेंगे प्राकृतिक खेती के आदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सीधी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में जैविक संसाधन केंद्र के माध्यम से निर्मित जैविक कृषि आदानों के विक्रय एवं प्रदर्शन का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए आवश्यक संसाधन सुलभ कराना तथा जैविक कृषि के प्रति जागरूकता बढ़ाना है जैविक संसाधन केंद्र में बीजामृत जीवामृत घनजीवामृत, ब्रह्मास्त्र नीमास्त्र एवं अग्निआस्त्र सहित विभिन्न प्राकृतिक एवं जैविक कृषि आदानों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। केंद्र के माध्यम से किसानों को इन उत्पादों के उपयोग लाभ एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी जिले में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तायुक्त जैविक कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत कृषि क्लस्टर (आईएफसी) अंतर्गत संचालित जैविक संसाधन केंद्रों को सशक्त बनाया जा रहा है। किसानों की मांग के अनुसार इन केंद्रों की संचालिकाओं द्वारा उचित मूल्य पर जैविक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे वर्तमान में सीधी विकासखंड के अंतर्गत बढ़ौरा, देवगढ़, डिहुली एवं टीकटकला में जैविक संसाधन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है विशेषज्ञों के अनुसार प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने से उत्पादन लागत में कमी आती है, मृदा की उर्वरता एवं स्वास्थ्य में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। इसके साथ ही सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादन को बढ़ावा मिलता है जिससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ प्राप्त होता है आजीविका मिशन ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने तथा जैविक संसाधन केंद्रों की सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

शासकीय सड़क पर अतिक्रमण:तहसीलदार के स्टे के बावजूद मकान निर्माण जारी, शिकायतें बेअसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम कोचिंटा में शासकीय सड़क पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है आरोप है कि गांव निवासी प्रेमलाल प्रजापति द्वारा सड़क की भूमि पर मकान का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण में सड़क के लगभग दो फीट हिस्से पर कब्जा करने की बात कही जा रही है ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस मामले की शिकायत तहसीलदार गोपदबनास, एसडीएम और अन्य संबंधित अधिकारियों से की थी। शिकायतों के बाद तहसीलदार राकेश शुक्ला ने निर्माण कार्य पर स्थगन (स्टे) आदेश जारी किया था। हालांकि, शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा।

विकसित सीधी 2047 - युवा संवाद, चुनौतियां और समाधान सांदीपनी विद्यालय रामपुर नैकिन में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने विद्यार्थियों से किया संवाद, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका को केंद्र में रखते हुए चुरहट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रामपुर नैकिन स्थित सांदीपनी विद्यालय में ''विकसित सीधी 2047 - युवा संवाद, चुनौतियां और समाधान'' विषय पर प्रश्नोत्तरी एवं प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता, ज्ञान और रचनात्मक सोच का परिचय दिया। इस अवसर पर सांसद डॉ. मिश्रा ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए जिले के विकास, युवाओं की आकांक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित सीधी के निर्माण का लक्ष्य तभी संभव है जब युवा शिक्षा, नवाचार, तकनीक, कौशल विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि रोजगार सृजक बनने की दिशा में भी प्रयास करें सांसद ने कहा कि विकसित सीधी की परिकल्पना में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, तकनीकी दक्षता, पर्यावरण संरक्षण, कृषि नवाचार और युवाओं के लिए व्यापक अवसरों का सृजन शामिल है। इसके लिए युवाओं के सुझाव और सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए सांसद ने कहा कि प्रतिभाओं को उचित अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन, अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रतिभा संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों ने शिक्षा, करियर, रोजगार और विकसित सीधी के निर्माण में अपनी भूमिका से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू, प्रदीप शुक्ला, स्तुति मिश्रा, विजय शंकर शुक्ला, आनंद विहारी मिश्रा, राजेश मिश्रा (राजा), गुड़िया साकेत, संगीता गुप्ता, प्राचार्य बद्री त्रिपाठी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, प्रशासनिक अधिकारी, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आशुतोष द्विवेदी द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन बीईओ रामपुर नैकिन अवधशरण पाण्डेय द्वारा किया गया कार्यक्रम का समापन विकसित सीधी 2047 के संकल्प, प्रतिभाओं के सम्मान और युवाओं की सक्रिय भागीदारी के संदेश के साथ हुआ।

स्थानीय संसाधनों का सही प्रबंधन ही भूमि सुधार की कुंजी : डॉ. राजेश मिश्रा

बायोचार निर्माण, कटहल प्रसंस्करण केंद्र एवं आजीविका गतिविधियों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सोमवार को ग्राम उड़ैसा, सेमरिहा, धनौली एवं छुही का भ्रमण कर ग्रामीण आजीविका, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न विकास गतिविधियों का अवलोकन किया इस दौरान उन्होंने भू-दृश्य पुनर्स्थापन (लैंडस्केप रेस्टोरेशन) एवं मूल्य श्रृंखला विकास परियोजनाओं के तहत संचालित नवाचारों की सराहना करते हुए स्थानीय संसाधनों के वैज्ञानिक उपयोग को ग्रामीण विकास की आधारशिला बताया महिलाओं ने किया बायोचार निर्माण का प्रदर्शन ग्राम उड़ैसा में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत सीधी एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईएलआरटी) द्वारा संचालित परियोजना अंतर्गत उत्पादक समूह की महिलाओं ने सांसद के समक्ष लैंटाना (गुलमेंहदी) से बायोचार निर्माण का सजीव प्रदर्शन प्रस्तुत किया प्रदर्शन का अवलोकन करते हुए सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का वैज्ञानिक एवं प्रभावी उपयोग कर भूमि की गुणवत्ता और उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बायोचार मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उसमें ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा को भी बढ़ाता है, जिससे कृषि उत्पादन में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। यह पहल छोटे किसानों एवं ग्रामीण महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय का सशक्त माध्यम बन सकती है प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर और टिकाऊ कृषि विकास के विजन के अनुरूप किसानों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए।

सीधी में जनसुनवाई में साइकिल से आए कलेक्टर : जमीन पर जानी लोगों की समस्याएं, मोबाइल चलाते रहे कर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था में एक विरोधाभासी दृश्य सामने आया। जहां जिले के कलेक्टर विकास मिश्रा आम लोगों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं सुनते दिखे वहीं अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी कुर्सियों पर आराम फरमाते और मोबाइल फोन चलाते नजर आए कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों और फरियादियों के बीच बैठकर सीधे संवाद स्थापित किया उनका यह व्यवहार एक संवेदनशील प्रशासनिक अधिकारी की छवि को दर्शाता है जो आमजन से सीधा जुड़ाव स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे इसके विपरीत, सभागार में मौजूद कई अधिकारी और कर्मचारी कुर्सियों पर बैठे रहे कुछ तो जनसुनवाई के दौरान अपने मोबाइल फोन में व्यस्त दिखाई दिए जिससे ऐसा प्रतीत हुआ कि उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है हैरानी की बात यह भी रही कि कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं साइकिल चलाकर कलेक्ट्रेट से जिला पंचायत सभागार पहुंचे वहीं अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी महज कुछ सौ मीटर की दूरी तय करने के लिए भी चारपहिया वाहनों का उपयोग करते नजर आए। उल्लेखनीय है कि रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद पहले ही अधिकारियों को अनावश्यक रूप से चारपहिया वाहनों का उपयोग कम करने की सलाह दे चुके हैं जनसुनवाई के दौरान कई अधिकारियों और कर्मचारियों के गले में परिचय-पत्र (आईडी कार्ड) भी नहीं दिखाई दिए। जबकि कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालय एवं संस्थान में प्रवेश के दौरान परिचय-पत्र अनिवार्य रूप से धारण करें मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे आयोजित इस जनसुनवाई में इन निर्देशों की खुली अनदेखी देखने को मिली जिसने शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं।

18 वर्ष बाद मिली पहचान- दिव्यांग युवती प्रियंका का आधार कार्ड बनवाने में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संवेदनशीलता, समर्पण और सतत प्रयास किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं इसका एक प्रेरक उदाहरण सीधी जिले में देखने को मिला जहां 18 वर्षों तक अपनी पहचान से वंचित रही एक दिव्यांग युवती को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के प्रयासों से नई पहचान मिल सकी नगर पालिका सीधी के वार्ड क्रमांक 23 निवासी प्रियंका गिरी पिता बलराम गिरी मल्टीपल डिसेबिलिटी से प्रभावित हैं। मानसिक एवं शारीरिक चुनौतियों के कारण उनका आधार कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा था। परिवार द्वारा लगातार प्रयास किए जाने के बावजूद विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक कठिनाइयों के चलते प्रक्रिया हर बार अधूरी रह जाती थी, जिससे प्रियंका कई महत्वपूर्ण सरकारी सुविधाओं और योजनाओं से वंचित थीं। इसी दौरान जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी में कार्यरत ट्रांस डिसीप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांसु शुक्ला की नजर इस मामले पर पड़ी। उन्होंने इसे केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया न मानते हुए एक ऐसे व्यक्ति के अधिकार और सम्मान से जुड़ा विषय समझा जिसे समाज और शासन की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक था शिवांसु शुक्ला ने प्रियंका के दस्तावेजों की तैयारी, आवश्यक प्रक्रियाओं के समन्वय और तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए इस दौरान कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और निरंतर प्रयास जारी रखा इस कार्य में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. दीपक त्रिपाठी, सूरज सिंह एवं प्रदीप द्विवेदी ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। टीम के सामूहिक प्रयास, धैर्य और संवेदनशीलता के परिणामस्वरूप अंततः प्रियंका का आधार कार्ड बन सका और उन्हें उनकी आधिकारिक पहचान प्राप्त हुई यह उपलब्धि केवल एक दस्तावेज बनवाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह उस मानवीय सोच और प्रतिबद्धता का उदाहरण है जिसके माध्यम से एक दिव्यांग युवती को उसके अधिकारों योजनाओं और सम्मानजनक पहचान से जोड़ा गया जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी का यह प्रयास समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है कि यदि इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए तो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी बदलाव संभव है। यह पहल यह भी दर्शाती है कि कोई भी दिव्यांग व्यक्ति अपनी पहचान और अधिकारों से वंचित न रहे, इसके लिए समाज और प्रशासन दोनों की सक्रिय भूमिका आवश्यक है प्रियंका को पहचान दिलाने में जुटी टीम का यह प्रयास मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है।

मौजूदा हालात पर नजर : घायत संविधान : म्रणासन्न प्रजातंत्र....?

संपादकीय

हमें आजादी हासिल किए करीब आठ दशक होने को आए, किंतु आज भी हमारे सामने यही सवाल दीर्घाकार में खड़ा है कि क्या हम वास्तव में स्वतंत्र है या अंग्रेजों ने जिन्के हाथों में सत्ता सौंपी उनमें कुछ कमी है, यह सब मैं अपने दिल की नही देश के दिल की बात कह रहा हूं, क्योंकि जिनको यह सब कहना चाहिए वे तो अपने 'मन की बात' उजागर करने में व्यस्त है?

मैंने भी अन्य बुजुर्ग भारतीयों की तरह अंग्रेजों का राज देखा है, मैंने कई बार अंग्रेजों के राज से आज के राज की तुलना करने की भी कौशिशें की, किंतु मुझे अस्सी साल पहले आज की स्थिति-परिस्थिति में कोई विशेष अंतर नजर नही आया, पहले विदेशी शासक थे और अब उसी मानसिकता वाले हमारे कथित अपने देसी शासक, दोनों ही शासकों की शासन कार्यप्रणाली में कोई विशेष अंतर मुझे नजरर नही आ पाया। अंतर सिर्फ इतना जरूर है कि हम पहले हमारे विदेशी शासकों के खिलाफ आवाज उठाते थे और अब मजबूरी में मौन साधना पड़ता है।

आज मैं ये विचार अपने ही दिल-दिमाग से प्रस्तुत नही कर रहा हूँ बल्कि करीब तीन सप्ताह पूर्व जनता के विभिन्न वर्गों से हुई चर्चा के बाद बयान कर रहा हूँ, अब तो एक ही पुरातन कहावत दोहराने का मन करता है कि- ''अपना ही सिक्का खोटा है तो किसे दोष दे'' और अब वह सिक्का चलन से बाहर के मार्ग की ओर अग्रसर है, अर्थात् आज हम हमारे अपने भविष्य के बारे में कुछ भी कहने की स्थिति में नही है सिर्फ और सिर्फ राजनैतिक स्वेच्छाचारिता ही हर कही हावी है और उसी के साए में लोग अपना जीवन यापन करने को मजबूर है, आशा है कि किरण इस घटाटोप अंधकार में कहीं भी नजर नही आ रही है, मतलब यह कि अब ''मजबूरी का नाम महात्मा गांधी नही बल्कि राजनीतिक भ्रष्टाचार और स्वेच्छाचारिता हो गया है'', अब फिलहाल यह कहना तो मुश्किल है कि जनता के ''सब्र का यह परीक्षा काल'' कब तक चलेगा? लेकिन यह तय है कि सब्र का यह बांध कभी भी टूट सकता है, फिर देश व मौजूदा राजनीतिक धुरंधरों का क्या हश्र होगा? यह भी फिलहाल कहना मुश्किल है, क्योंकि पिछले आठ दशकों में हमारे राजनेता सब्र के इस बांध का कई बार परीक्षण कर देख चुके है, आज स्थिति यह है कि देश की जनता को उनकी अपनी पारिवारिक समस्याओं में मंहगाई तथा अन्य माध्यमों से इतना उलझा दिया गया है कि देशवासियों को अपने आस-पास देखने की फुर्सत नही मिला पा रही है, लेकिन यह दुरावस्था अधिक दिन चलने वाली नही है, क्योंकि देश की भविष्य युवा पीढ़ी अब काफी 'समझदार' होने लगी है।

....और देश को अब नए 'चन्द्रोदय' का बेसब्री से इंतजार है। इसके बाद ही सवा सौ से अधिक तीखे संशोधनों को तीरों से घायल संविधान को भी थोड़ी राहत मिल सकेगी और हमारा प्रजातंत्र भी ''आईसीयू'' से बाहर आ सकेगा।

खेल-खेल में जीवन, अनुभव और जेन जेड की अंधी दौड़

सनत जैन

मनुष्य का पूरा जीवन किसी न किसी खेल की तरह चलता है। बचपन में हम खेल-खेल में चलना सीखते हैं, बोलना सीखते हैं, दोस्त बनाना सीखते हैं। धीरे-धीरे यही खेल पढ़ाई में बदल जाता है, फिर करियर में और बाद में जीवन की बड़ी जिम्मेदारियों में। कई बार इंसान को यह भी पता नहीं चलता कि वह कब इस दौड़ का खिलाड़ी बन गया। जब तक समझ आती है, तब तक वह प्रतिस्पर्धा, सफलता, असफलता और अपेक्षाओं के मैदान में उतर चुका होता है।

जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक अनुभव होता है। किताबें ज्ञान देती हैं, लेकिन अनुभव उस ज्ञान को समझने की क्षमता देता है। किताबों में लिखी बातें हम पढ़ लेते हैं, याद भी कर लेते हैं, लेकिन समय के साथ बहुत कुछ भूल जाते हैं। कारण यह है कि वह ज्ञान केवल शब्दों तक सीमित रहता है। दूसरी ओर जो बातें हम अपने जीवन में महसूस करते हैं, संघर्षों से सीखते हैं, रिश्तों में जीते हैं और गलतियों से समझते हैं, वह हमेशा हमारे भीतर जीवित रहती हैं। आज की जेन जेड दुनिया की सबसे अधिक जानकारी रखने वाली पीढ़ी मानी जाती है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने उन्हें हर विषय की जानकारी कुछ सेकंड में उपलब्ध करा दी है। वे दुनिया की राजनीति, तकनीक, फैशन, कारोबार और मनोरंजन के बारे में तुरंत जान लेते हैं। लेकिन इतनी जानकारी के बावजूद इस पीढ़ी के सामने सबसे बड़ा संकट अनुभव की कमी का है।

जेन जेड तेज़ी से आगे बढ़ना चाहती है। वह कम समय में सफलता, पहचान और आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करना चाहती है। इसमें कोई बुराई नहीं है, क्योंकि हर पीढ़ी अपने समय के अनुसार सपने देखती है। समस्या तब शुरू होती है जब जीवन केवल तुलना और प्रदर्शन का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली चमकदार जिंदगी ने युवाओं के भीतर यह भावना पैदा कर दी है कि हर व्यक्ति को बहुत जल्दी सफल होना चाहिए। कोई 22 साल की उम्र में करोड़पति बन रहा है, कोई वायरल होकर प्रसिद्ध हो रहा है, कोई लग्जरी जीवन दिखा रहा है। यह दृश्य युवा मन को बेचैन करता है।

इस बेचैनी में जेन जेड धीरे-धीरे अनुभव से दूर होती जा रही है। वह रिश्तों से सीखना नहीं चाहती, बुजुर्गों की बातों को पुराना मान लेती है और संघर्ष की प्रक्रिया को समय की बर्बादी समझने लगी है। जबकि सच्चाई यह है कि जीवन की सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा रिश्तों और अनुभवों से ही मिलती है। माता-पिता की असफलताएं, दादा-दादी का धैर्य, शिक्षकों का अनुशासन और समाज की विविधता इंसान को संतुलन सिखाती है।

आज बहुत से युवा मानसिक तनाव, अकेलेपन और असुरक्षा से जूझ रहे हैं। कारण केवल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि जीवन को केवल उपलब्धियों के आधार पर देखने की आदत भी है। जब व्यक्ति हर समय दूसरों से तुलना करता है, तब वह अपने भीतर की शांति खो देता है। अनुभव सिखाता है कि सफलता केवल पैसा या प्रसिद्धि नहीं होती। अच्छा स्वास्थ्य, मजबूत रिश्ते, मानसिक संतुलन और आत्मसम्मान भी सफलता का हिस्सा हैं।

जेन जेड को यह समझने की आवश्यकता है कि जीवन कोई 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि लंबी यात्रा है। यहां हर व्यक्ति का समय अलग होता है। किसी को जल्दी सफलता मिलती है, किसी को देर से, लेकिन स्थायी सफलता वही होती है जो अनुभव और धैर्य के आधार पर बनती है। बिना अनुभव का ज्ञान कई बार भ्रम पैदा करता है। इंटरनेट पर पढ़ी गई हर बात सत्य नहीं होती और हर चमकती हुई जिंदगी वास्तव में खुशहाल भी नहीं होती।

नई पीढ़ी के पास ऊर्जा है, तकनीक है, आत्मविश्वास है और नए विचार हैं। यदि इसमें अनुभव और संवेदनशीलता जुड़ जाए तो यही पीढ़ी समाज में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है। उन्हें केवल स्क्रीन से नहीं, जीवन से भी जुड़ना होगा। परिवार के साथ समय बिताना, असफलताओं को स्वीकार करना, छोटे कामों से सीखना और वास्तविक दुनिया के संघर्षों को समझना जरूरी है।

खेल-खेल में जीवन हमें बहुत कुछ सिखा देता है। जरूरी यह नहीं कि हम कितनी तेजी से दौड़ रहे हैं, बल्कि यह है कि हम सही दिशा में चल रहे हैं या नहीं। जेन जेड को अपनी गति बनाए रखते हुए अनुभव की रोशनी भी साथ रखनी होगी।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती ?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गई, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

'बच्चों को सिर्फ पढ़ाइए मत... उन्हें समझिए और समझाएं भी'

सच कहा जाए तो बच्चे कमजोर नहीं होते, बस अकेले पड़ जाते हैं, अक्सर हम बड़े लोग सोचते हैं कि बच्चों की जिंदगी में आखिर तनाव ही क्या है? ना कमाने की चिंता, ना घर चलाने की जिम्मेदारी, किंतु सच मानिए, आज का बच्चा भीतर से जितना दबाव झेल रहा है, शायद उतना पहले कभी नहीं था।उसके आसपास बनी मोबाइल और गेम की दुनिया ने जैसे उसके जीवंत संबंध ही उससे छीन लिए हैं। अधिकांश परिवार भी वो व्यावस्थी नहीं कर पा रहे जिसमें बच्चेज को मन और तन की सुदृढ़ता मिले।

डॉ. निवेदिता शर्मा)

एक मासूम चिट्ठी... और बहुत सारे अनसुने सवाल

भोपाल की 17 वर्षीय ओजस्वी ने जब ये शब्द 'सॉरी मम्मी-पापा... मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी...' लिखे होंगे, तब शायद उसकी आंखों में आंसू रहे होंगे, मन में डर रहा होगा और दिल में एक ऐसा भाव, जिसे वह किसी से कह नहीं पाई!

सोचिए... एक बच्ची, जो अपने माता-पिता की दुनिया थी, जिसने बचपन से उनके स्नेह में पलकर सपने देखे, आखिर उसके मन में ऐसा कौन-सा तूफान उठा होगा कि उसे जीवन छोड़ देना आसान लगा? यह घटना सिर्फ भोपाल की नहीं है। यह हर उस घर की कहानी है जहां बच्चे मुस्कुराते तो हैं, किंतु भीतर से टूट रहे होते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कई बच्चों की चुप्पी दिखाई नहीं देती। आज जरूरत इस बात की है कि हम उनसे यह पूछें- 'तुम ठीक तो हो ना? '

सच कहा जाए तो बच्चे कमजोर नहीं होते, बस अकेले पड़ जाते हैं, अक्सर हम बड़े लोग सोचते हैं कि बच्चों की जिंदगी में आखिर तनाव ही क्या है? ना कमाने की चिंता, ना घर चलाने की जिम्मेदारी, किंतु सच मानिए, आज का बच्चा भीतर से जितना दबाव झेल रहा है, शायद उतना पहले कभी नहीं था।उसके आसपास बनी मोबाइल और गेम की दुनिया ने जैसे उसके जीवंत संबंध ही उससे छीन लिए हैं। अधिकांश परिवार भी वो व्यावस्थी नहीं कर पा रहे जिसमें बच्चेज को मन और तन की सुदृढ़ता मिले।

आज 13 से 17 साल की उम्र में हर चौथा बच्चा डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या से गुजर रहा है। यह आंकड़ा डराता है। क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे आसपास बैठे चार बच्चों में से एक बच्चा शायद हर रात अकेले रोता हो, हर दिन खुद को दूसरों से कम समझता हो या हर पल किसी डर में जी रहा हो। किशोरावस्था वह उम्र होती है जहां बच्चे खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे असफल हुए तो लोग उन्हें प्यार करना छोड़ देंगे। छोटी-सी डांट भी उन्हें यह महसूस करा सकती है कि वे 'अच्छे बच्चे' नहीं हैं। यही वजह है कि कई बार हम जो बात गुस्से में कह देते हैं, वही बात बच्चे के दिल में तीर की तरह उतर जाती है।

सोचिए... जब बच्चा उदास होकर कमरे में चला जाए, खाना छोड़ दे, कम बोलने लगे या अकेला रहने लगे, तब क्या हम उसके पास बैठते हैं? क्या हम उससे पूछते हैं; 'क्या बात है बेटा? तुम परेशान लग रहे हो...' अक्सर हम कहते हैं, 'इतनी-सी बात पर रोते हो?' 'हमारे समय में ऐसा नहीं होता था।' 'मोबाइल छोड़ो, सब ठीक हो जाएगा।' लेकिन सच यह है कि बच्चे समाधान से पहले अपनापन चाहते हैं। उन्हें सलाह से पहले सुनने वाला चाहिए।

नंबरों की दौड़ ने बचपन छीन लिया- आज हर बच्चा एक प्रतियोगिता में भाग रहा है। स्कूल की रैंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता, ऐसा लगता है जैसे बच्चों को बचपन से ही यह समझा दिया गया हो कि जिंदगी एक रेस है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है।

मोबाइल के दौर में बच्चे सबसे ज्यादा अकेले हैं। घर में सब साथ बैठे होते हैं, लेकिन बातचीत गायब हो चुकी है। माता-पिता मोबाइल में व्यस्त हैं, बच्चे स्क्रीन में खोए हैं और भावनाएं धीरे-धीरे मौन होती जा रही हैं। सोशल मीडिया ने बच्चों को तुलना करना सिखा दिया है। कोई ज्यादा सुंदर दिखता है, कोई ज्यादा अमीर, कोई ज्यादा सफल। ऐसे में बच्चा अपने जीवन को कमतर समझने लगता है। ऐसे में कई बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। कई बच्चों को बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ती है, किंतु वे डर के कारण किसी से कुछ नहीं कहते। बच्चे बाहर से सामान्य दिखते हैं, लेकिन अंदर से बिखर चुके होते हैं। यही सबसे खतरनाक स्थिति है।

बच्चों को सलाह नहीं, भरोसा चाहिए- हर बच्चा चाहता है कि उसके जीवन में कोई ऐसा हो जिसके सामने वह बिना डरे रो सके। जब बच्चा गलती करे, तब उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि अब मम्मी-पापा प्यार नहीं करेंगे। उसे यह भरोसा होना चाहिए कि डांट पड़ेगी, लेकिन साथ नहीं छूटेगा। बच्चों को यह मत सिखाइए कि 'लोग क्या कहेंगे?' उन्हें यह सिखाइए कि 'मुश्किल समय में बात करना कमजोरी नहीं, हिम्मत है।' यदि बच्चा उदास है, गुस्से में रहता है, अचानक चुप हो गया है या बार-बार खुद को बेकार कहता है, तो इसे नजरअंदाज मत कीजिए। यह मदद की पुकार हो सकती है।

माता-पिता भी थोड़ा रुककर खुद से सवाल करें- कभी-कभी हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हमने अपने बच्चे को आखिरी बार बिना किसी कारण गले कब लगाया था? क्या हमने उसकी बातें बिना टोके सुनी थीं?क्या हमने कभी उससे कहा- 'तुम जैसे भी हो, हमारे लिए बहुत खास हो...' बच्चों को महंगे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल से ज्यादा जरूरत अपने माता-पिता के समय और स्नेह की होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को समझना समय की मांग है- आज मानसिक स्वास्थ्य कोई 'फैशन' या 'बहाना' नहीं है। यह एक वास्तविक समस्या है। जैसे शरीर बीमार होता है, वैसे ही मन भी बीमार हो सकता है। यदि किसी बच्चे को बुखार हो तो हम तुरंत डॉक्टर के पास जाते हैं, किंतु जब बच्चा लगातार उदास रहता है, तब हम कहते हैं- 'सब ठीक हो जाएगा...' नहीं, हर बार सब अपने आप ठीक नहीं होता। कई बार विशेषज्ञ की मदद जरूरी होती है। हमें बच्चों को यह समझाना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। रो लेना, अपनी परेशानी बताना और काउंसलर से बात करना बिल्कुल सामान्य बात है।

हमें कैसी पीढ़ी चाहिए?- हमें सिर्फ सफल बच्चे नहीं, खुश बच्चे चाहिए। ऐसे बच्चे जो अपने मन की बात कह सकें, जो असफलता से डरें नहीं और जिन्हें यह भरोसा हो कि उनका परिवार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। आज रात जब आपका बच्चा आपके सामने आए, तो उससे सिर्फ पढ़ाई की बात मत कीजिए। उसके सिर पर हाथ रखिए और पूछिए- 'सच-सच बताना... तुम खुश तो हो ना?' क्योंकि कई बार एक संवेदनशील बातचीत वह कर जाती है, जो बड़ी-बड़ी सीख और डांट भी नहीं कर पाती।

फिर भी यदि कभी किसी बच्चे या युवा के मन में आत्महत्या का विचार आए, तो तुरंत सहायता लें। मध्यनप्रदेश में बाल अधिकार संरक्षण आयोग सीपीसीआर एक्टक 2007 के अंतर्गत बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर आप बच्चों के हित, सर्वोच्च देखभाल और चिंता के लिए ही कार्यरत है। यदि कहीं भी लगता है, कुछ भी गलत हो रहा है, यदि कहीं अंदर अवसाद या नकारात्म कता स्वरयं पर हावी हो रही है तो बाल आयोग से सीधे संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में माननीय मुख्योमंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने अनेक योजनाएं आज मप्र के बच्चोंत के हित में चलायी हुई हैं, बच्चीं और उनके अभिभावक दोनों ही अपने अनुरूप उन योजनाओं का लाभ लेने आगे आ सकते हैं।

यदि कहीं कोई कठिनाई आ रही है तो मप्र बाल संरक्षण आयोग से सीधे https://www.cpcr.mp.gov.in/ पर संपर्क कर सकते हैं। हमारी वेबसाइट पर अनेक बातें एवं सुविधाओं के बारे में जानकारियां दी गई हैं। आप आयोग के ई-मेल mpcpcr@gmail.com पर दोस्तन निवेदिता के नाम पत्र लिख सकते हैं।

लंबित प्रकरणों पर कलेक्टर सख्त, पीएम पोर्टल से सुशासन तिहार तक सभी आवेदनों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित आवेदनों एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो से तीन वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जवाबदेही तय करने और शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत विद्युत विहीन आंगनबाड़ी केंद्रों नए भवनों के हस्तांतरण रामगढ़ में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर ने पीएम पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन तथा विभागीय जन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं के स्थायी समाधान का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने सभी लंबित शिकायतों का तथ्यात्मक एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुशासन तिहार के आवेदन 30 दिनों में निपटाने के निर्देश: सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गलत विभागों में दर्ज आवेदनों को तत्काल संबंधित विभागों को हस्तांतरित किया जाए तथा सभी आवेदन अधिकतम 30 दिवस के भीतर गुणवत्तापूर्वक निराकरण किए जाएं।

आरटीआई ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण में तेजी लाने के निर्देश: सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर ने आरटीआई ऑनबोर्डिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पंजीयन एवं प्रशिक्षण पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

राशन कार्डों की ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश: खाद्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले के सभी राशन कार्डधारियों का ई-केवाईसी कार्य जल्द पूरा कराने तथा मृत अथवा स्थायी रूप से पलायन कर चुके हितग्राहियों के नाम नियमानुसार हटाने के निर्देश दिए।

15 जून से पहले पूर्ण हों शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्य: शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने समग्र शिक्षा एवं डीएमएफ मद से स्वीकृत विद्यालयी शौचालयों के निर्माण मरम्मत एवं उन्नयन कार्य 15 जून से पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

न्यायालयीन मामलों और डीएमएफ कार्यों की भी समीक्षा: बैठक में उच्च न्यायालय से संबंधित अवमानना प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं डीएमएफ मद से संचालित विकास कार्यों के उपयोगिता प्रमाण पत्र जियो-टैग्ड फोटो एवं अन्य दस्तावेज समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। आगामी विकास कार्यों के लिए विभागवार पर्सपेक्टिव प्लान तैयार करने पर भी बल दिया गया कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल प्रकरणों का निपटारा करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी विभागों को नियमित मॉनिटरिंग कर लंबित मामलों की संख्या न्यूनतम करने तथा शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, अनिल कुमार सिदार, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

10वीं-12वीं पास युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, आईटीआई जनकपुर में करें ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जून तक

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के युवाओं के लिए रोजगारपरक एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) जनकपुर में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी 29 मई 2026 से 15 जून 2026 तक प्रवेश के लिए निर्धारित वेबसाइट cgiti.admissions.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जनकपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान में कोपा (एससीवीटी) एक वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 48 सीटें विद्युतकार (एससीवीटी) द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 20 सीटें तथा सिलाई टेक्नोलॉजी (एससीवीटी) एक वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 40 सीटें उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को आधुनिक तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न की जाएगी। प्रथम चरण में 16 जून से 22 जून तक प्रथम चयन सूची जारी की जाएगी तथा 23 जून से 25 जून तक चयनित अभ्यर्थियों का प्रवेश होगा। द्वितीय चरण में 26 जून से 3 जुलाई तक द्वितीय चयन सूची जारी की जाएगी तथा 4 जुलाई से 7 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। तृतीय चरण में 8 जुलाई से 12 जुलाई तक तृतीय चयन सूची जारी की जाएगी तथा 13 जुलाई से 15 जुलाई तक प्रवेश दिए जाएंगे आईटीआई में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना तथा कम से कम दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है प्रवेश प्रक्रिया दसवीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाने वाली मेरिट सूची के अनुसार की जाएगी। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने दसवीं अथवा बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है और अपने भविष्य को तकनीकी कौशल के माध्यम से संवारना चाहते हैं उनके लिए आईटीआई जनकपुर एक उत्कृष्ट विकल्प है प्राचार्य ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है प्रवेश एवं पाठ्यक्रमों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी निकटतम आईटीआई अथवा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जनकपुर से संपर्क कर सकते हैं।

भीषण गर्मी में राहत - हैंडपंप सुधार कार्य से ग्रामीणों को मिल रही निर्बाध पेयजल सुविधा

तिलोखन गांव में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की त्वरित कार्रवाई, जल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को मिली राहत

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के विभिन्न गांवों में खराब एवं बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है जिससे ग्रामीणों को राहत मिल रही है। इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलोखन के ग्राम तिलोखन में विभागीय टीम द्वारा हैंडपंपों का निरीक्षण एवं मरम्मत कार्य किया गया लंबे समय से प्रभावित पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए हैंडपंपों को पुनः चालू किया गया, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुगम पेयजल उपलब्ध होने लगा है। गर्मी के मौसम में जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर खराब हैंडपंपों की पहचान की जा रही है। प्राप्त शिकायतों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि किसी भी गांव में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो विभागीय अधिकारियों ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मरम्मत दल लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं हैंडपंपों की तकनीकी जांच मरम्मत एवं आवश्यक पुर्जों के प्रतिस्थापन का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है ग्रामीणों ने समय पर की गई कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन और विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हैंडपंपों के सुधार से उन्हें दूर-दराज के जल स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है और दैनिक जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आमजन को पेयजल संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल जानकारी देने की अपील की गई है ताकि त्वरित कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जा सके लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में हैंडपंप सुधार एवं पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ीकरण का कार्य लगातार जारी है जिससे भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

युवक का शव खेत में मिला, परिजन बोले- शरीर पर चोट के निशान, गांव के कुछ लोगों से रंजिश थी

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के गौचोनी गांव में मंगलवार सुबह 27 वर्षीय युवक का शव खेत में मिला घटना की जानकारी मिलते ही हिम्मतपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी मृतक की पहचान पवन लोधी पुत्र रामेश्वर लोधी निवासी गौचोनी के रूप में हुई है पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खेत में पड़ा मिला शव: जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक खेत में पवन लोधी का शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर हिम्मतपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की तथा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया मृतक के रिश्तेदार उमेश लोधी ने बताया कि सोमवार को परिवार में रामायण पाठ के उपलक्ष्य में भंडारे का आयोजन था भोजन के बाद पवन खेत पर रखवाली करने के लिए चला गया था मंगलवार सुबह उसकी मौत की सूचना मिली।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका: उमेश लोधी का आरोप है कि पवन के शरीर पर चोट के निशान थे साथ ही उसका मोबाइल फोन शव से करीब 50 मीटर दूर टूटी हुई हालत में मिला उन्होंने बताया कि गांव में उनकी कुछ लोगों से रंजिश भी चल रही थी इसलिए उन्हें हत्या की आशंका है हिम्मतपुर चौकी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि युवक की मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

जिला प्रशासन अलर्ट आगामी मानसून में बाढ़ और अतिवृष्टि से बचाव हेतु व्यापक तैयारियाँ

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आगामी मानसून-2026 को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़, अतिवृष्टि और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। छत्तीसगढ़ शासन के दिशा-निर्देशों के तहत सभी विभागों को पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट परिसर में बाढ़ नियंत्रण कक्ष कक्ष क्रमांक-14 में स्थापित किया गया है, जो 24 घंटे संचालित रहेगा। आपातकालीन स्थिति में अपर कलेक्टर, जिला आपदा प्रबंधन समिति की नोडल अधिकारी, फायर ब्रिगेड अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संपर्क किया जा सकेगा। पुलिस सहायता हेतु डायल-100 और 112 उपलब्ध हैं बाढ़ प्रभावित एवं पहुंच विहीन क्षेत्रों में खाद्यान्न, जीवन रक्षक दवाइयाँ, नमक और केरोसीन का अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों की क्विक रिस्पांस टीम गठित की जाएगी तथा सभी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी मानसून के दौरान जलजनित बीमारियों से बचाव हेतु कुओं और जल स्रोतों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव तथा शुद्ध पेयजल व्यवस्था की जाएगी। राहत शिविरों में अतिरिक्त शौचालय, सैनिटाइजेशन और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होगी जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जाएगी। बांधों और जलाशयों का जलस्तर नियमित रूप से चेक किया जाएगा। नगर निगम और नगरपालिका क्षेत्रों में नालियों की सफाई, जलभराव वाले स्थानों में पंप, असुरक्षित पेड़ों की कटाई और होर्डिंग सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी तहसील और नगरीय स्तर पर बाढ़ नियंत्रण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सभी विभाग मानसून अवधि में जनहानि और संपत्ति की हानि न्यूनतम करने हेतु सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करेंगे।

किसानों की राशि फर्जी खातों में पहुंची, महिला बोली- बेटी की शादी से पहले राशि वापस मिले

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे कलेक्टर अर्पित वर्मा ने आमजन की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जनसुनवाई में खेल मैदान निर्माण फर्जी बैंक खातों के माध्यम से किसानों की उपार्जन राशि निकाले जाने और आर्थिक सहायता से जुड़े मामले प्रमुखता से सामने आए जनपद पंचायत पिछोर की ग्राम पंचायत पिपारा के युवा खिलाड़ियों छात्रों और ग्रामीणों ने गांव में शासकीय खेल मैदान निर्माण की मांग की। उन्होंने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर बताया कि 5 से 8 हजार की आबादी वाले पिपारा गांव में अब तक कोई खेल मैदान नहीं है ग्रामीणों के अनुसार खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए दूसरे गांवों में जाना पड़ता है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है बदरवास तहसील के ग्राम पिरोंठ निवासी मुलाम बाई यादव ने फीनो बैंक में फर्जी खाता खोलकर गेहूं उपार्जन की 28,100 रुपये की राशि निकाले जाने की शिकायत की उन्होंने बताया कि बैंक खाते में दर्ज मोबाइल नंबर उनका नहीं है मुलाम बाई ने यह भी बताया कि उनके खाते में मौजूद 1 लाख 711 रुपये की राशि होल्ड कर दी गई है उन्होंने मामले की साइबर जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और निकाली गई राशि वापस दिलाने की मांग की।

समय पर मिली खाद-बीज सामग्री, किसान मोहरसाय के चेहरे पर लौटी मुस्कान खुशहाली की ओर बढ़े कदम

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम महाराजपुर निवासी किसान मोहरसाय के लिए इस वर्ष का खरीफ सीजन नई उम्मीद आत्मविश्वास और खुशहाली का संदेश लेकर आया है लगभग 0.90 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले मोहरसाय को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बरबसपुर शाखा मनेंद्रगढ़ के माध्यम से समय पर खाद, बीज एवं उर्वरक उपलब्ध होने से खेती की तैयारियों में बड़ी राहत मिली है अब वे पूरे उत्साह के साथ खेतों में बुआई की तैयारी कर रहे हैं और बेहतर उत्पादन की उम्मीद जता रहे हैं सीमांत किसान मोहरसाय बताते हैं कि खेती का प्रत्येक मौसम उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। सीमित भूमि होने के कारण समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता ही अच्छी फसल की नींव रखती है। खरीफ फसल की तैयारी के दौरान उन्हें समिति के माध्यम से यूरिया, डीएपी उन्नत धान बीज एवं अन्य आवश्यक कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध कराई गई इससे उन्हें बाजार से महंगे दामों पर सामग्री खरीदने या निजी उधार लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

वे बताते हैं कि सहकारी समिति की इस सुविधा ने उनकी आर्थिक चिंताओं को काफी हद तक कम कर दिया है समय पर खाद और बीज मिलने से अब वे खेती के सभी कार्य निर्धारित समय पर कर पा रहे हैं जिससे बेहतर उत्पादन की संभावना भी बढ़ गई है उन्हें विश्वास है कि इस वर्ष अच्छी पैदावार होने पर परिवार की आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत बनेगी मोहरसाय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से समय पर खाद बीज और कृषि ऋण की सुविधा उपलब्ध कराना किसान हित में एक महत्वपूर्ण पहल है इससे छोटे और सीमांत किसानों को खेती करने में सुविधा मिल रही है तथा वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

कटकोना शिविर में गूंजा नशामुक्ति का संदेश

हजारों लोगों ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प, दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विकासखंड खड़गवां के ग्राम कटकोना में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर सामाजिक जागरूकता और जनकल्याण का प्रभावी केंद्र साबित हुआ समाज कल्याण विभाग की सक्रिय भागीदारी से शिविर में नशा मुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के संदेश ने हजारों लोगों को प्रेरित किया शिविर में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों अधिकारियों एवं हजारों ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया लोगों ने जीवन में नशे से दूर रहने और समाज को जागरूक करने की शपथ ग्रहण की विश्व धूम्रपान निषेध दिवस के संदेश को आगे बढ़ाते हुए धूम्रपान और तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों की जानकारी दी गई। नागरिकों ने तंबाकू और धूम्रपान से दूरी बनाए रखने तथा दूसरों को जागरूक करने का संकल्प लिया कार्यक्रम का एक प्रेरणादायी पहलू दिव्यांग एवं वृद्धजन हितग्राहियों को सहायक उपकरणों का वितरण रहा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चयनित हितग्राहियों को व्हीलचेयर और आवश्यक उपकरण प्रदान किए हितग्राहियों ने इसे आत्मनिर्भर बनने में मददगार बताया समाज कल्याण विभाग की गतिविधियों ने शिविर को जन जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का मंच बना दिया। नशा मुक्ति, धूम्रपान निषेध और दिव्यांगजन सशक्तिकरण जैसे प्रयासों ने सकारात्मक संदेश फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जनदर्शन में उमड़ा जनसैलाब, कलेक्टर ने सुनीं 46 शिकायतें

संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण : आमजन की समस्याओं पर कलेक्टर ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम एक बार फिर प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास एवं संवाद का सशक्त मंच बनकर सामने आया जिले के दूरस्थ गांवों से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक के नागरिक अपनी समस्याएं मांगें और अपेक्षाएं लेकर जनदर्शन में पहुंचे जहां कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता धैर्य और संवेदनशीलता के साथ सुनी जनदर्शन में कुल 46 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें भूमि विवाद, मजदूरी भुगतान, पेंशन, आधार कार्ड त्रुटि सुधार सीमांकन वन अधिकार पट्टा, आंगनबाड़ी नियुक्ति लंबित भुगतान पेयजल सुविधा सहित विभिन्न जनहित के मुद्दे प्रमुख रहे कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे जनदर्शन के दौरान ग्राम चुटकी के ग्रामीणों ने लंबित मजदूरी भुगतान की समस्या रखी जबकि पाराडोल निवासी ईश्वर प्रसाद ने भूमि संबंधी प्रकरण में समाधान की मांग की चिरमिरी निवासी शालिनी कश्यप ने जर्जर भवन को शीघ्र हटाने का अनुरोध किया वहीं बड़गांवखुर्द निवासी धनराजिया ने आधार कार्ड में मृत घोषित होने की त्रुटि सुधारने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया इसी प्रकार चैनपुर निवासी विमला टोप्पो ने सीमांकन आदेश के पालन की मांग की जबकि मनेंद्रगढ़ निवासी गोपाल गुप्ता ने भूमि विवाद संबंधी आवेदन दिया ओदारी निवासी देवती साहू ने दहेज प्रताड़ना एवं मारपीट की शिकायत प्रस्तुत की। मनेंद्रगढ़ निवासी जसबीर शर्मा ने नल कनेक्शन अपने नाम पर स्थानांतरित कराने की मांग रखी पसौरी निवासी नसीम खान ने राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई जबकि चिरमिरी निवासी राम बिहारी शर्मा ने पेंशन प्रकरण के शीघ्र निराकरण की मांग की साल्ही निवासी अर्चना मिश्रा, लाखनटोला निवासी सूरज भान तथा कछौड़ निवासी सूर्यधन ने भूमि संबंधी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं भवरमहुआ निवासी सुमित्रा एवं धरमपुर निवासी फूलकुंवर ने आंगनबाड़ी सहायिका नियुक्ति से जुड़ी शिकायत दर्ज कराई जनकपुर निवासी मोहम्मद जलील खान ने लंबित भुगतान का मामला उठाया वहीं कछौड़ निवासी राम मनोहर ने वन अधिकार पट्टा प्रदान किए जाने की मांग की।

मासूम को बचाने वाली TI को मप्र का शीर्ष सम्मान : 24 घंटे में दबोचे थे 12 आरोपी

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। कंचन सिंह ठाकुर, टीआई कोतवाली नर्मदापुरम कंचन सिंह ठाकुर टीआई कोतवाली नर्मदापुरम नर्मदापुरम कोतवाली थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर को पुलिस विभाग के प्रतिष्ठित केएफ रूस्तम पुरस्कार की परम विशिष्ट सम्मान श्रेणी से सम्मानित किया जाएगा मध्य प्रदेश शासन द्वारा उन्हें इस सर्वोच्च सम्मान के तहत एक शासकीय रिवॉल्वर और प्रमाणपत्र सौंपकर समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। 7 साल की मासूम बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में महज 24 घंटे के भीतर 300 किलोमीटर दूर शिवपुरी जाकर 12 आरोपियों को दबोचा था और उन्हें अदालत से उम्रकैद की सजा दिलाई थी।

रायसेन में नौतपा के बीच आंधी तूफान और बारिश: प्री-मानसून गतिविधियों से 5-8 डिग्री तक गिरा तापमान

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में नौतपा के दौरान मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। जहां नौतपा के शुरुआती दिनों में तेज गर्मी और तपिश का असर देखने को मिला, वहीं चौथे नौतपा के बाद से मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में बादल छाने लगे और आंधी-तूफान के साथ बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली आंधी: शनिवार और रविवार की रात जिले में तेज आंधी चली। मौसम विभाग के अनुसार हवा की रफ्तार करीब 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी। तेज हवाओं के बाद जिले के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। आंधी और बारिश के कारण वातावरण में ठंडक घुल गई। कई स्थानों पर लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की और दिनभर की उमस भी कम हो गई।

तापमान में 5 से 8 डिग्री तक गिरावट: बारिश और बादलों के कारण दिन और रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार जिले में तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक कम हुआ है। सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट का असर सुबह और रात के समय विशेष रूप से महसूस किया गया।

सुबह धूप, शाम को फिर बदला मौसम: सोमवार सुबह मौसम पूरी तरह साफ रहा और तेज धूप निकली। दिनभर धूप रहने के कारण लोगों को लगा कि मौसम सामान्य हो गया है, लेकिन शाम होते-होते एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली। आसमान में बादल छा गए और धूलभरी आंधी चलने लगी। इसके बाद कई क्षेत्रों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई। मौसम के इस लगातार बदलते स्वरूप ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी, लेकिन मौसम की अनिश्चितता भी बढ़ा दी।

बरेली सहित कई क्षेत्रों में हुई बारिश: सोमवार को बरेली तहसील सहित जिले के कुछ अन्य क्षेत्रों में भी आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों में भी मौसम का असर देखा गया और कई जगहों पर ठंडी हवाएं चलती रहीं। बारिश के बाद खेतों और खुले क्षेत्रों में तापमान कम हो गया, जिससे वातावरण पहले की तुलना में अधिक सुहावना महसूस हुआ।

प्री-मानसून गतिविधियों का असर: मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में इन दिनों प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हैं। 1 जून से ही मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना जताई गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान में टर्फ लाइन और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव बना हुआ है। इसी कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी-तूफान और बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं।

मानसून की एंट्री में हो सकती है देरी: मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि इस वर्ष मध्यप्रदेश में मानसून सामान्य समय की तुलना में 5 से 7 दिन देरी से पहुंच सकता है। फिलहाल प्रदेश में जो बारिश हो रही है, वह मानसून की नहीं बल्कि प्री-मानसून गतिविधियों का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है। कई क्षेत्रों में तेज हवाएं, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

गर्मी से राहत, लेकिन सतर्क रहने की जरूरत: मौसम में आए बदलाव से लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत जरूर मिली है, लेकिन तेज आंधी और तूफान को देखते हुए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर संरचनाओं से दूर रहने की सलाह दी है। साथ ही किसानों और आम नागरिकों को मौसम संबंधी अपडेट पर नजर बनाए रखने की भी अपील की गई है।

सीहोर में प्री-मानसून बारिश तापमान में गिरावट:आंधी से कई जगह पेड़ गिरे

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम में बड़ा बदलाव आया है। भीषण गर्मी और 44 डिग्री सेल्सियस तापमान से जूझ रहे जिले को प्री-मानसून बारिश और तेज हवाओं से राहत मिली है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि आंधी के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। दो दिनों की तपिश के बाद पारा गिरकर 27 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, जिससे लोगों को लू से राहत मिली। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में आष्टा में 22 मिमी, जावर में 3.1 मिमी, इछावर में 13 मिमी, भेरूंदा में 25 मिमी, बुधनी में 2.5 मिमी, रेहटी में 16.2 मिमी, सीहोर में 2 मिमी और श्यामपुर में 3 मिमी बारिश हुई। मौसम बदलने के साथ ही जिले में कई जगहों पर तेज आंधी-तूफान भी आया। हवाओं की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क किनारे और खेतों में कई पेड़ धराशायी हो गए, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ। सुबह से ही आसमान में काले घने बादल छाए हुए हैं और अनेक गांवों में लगातार रिमझिम फुहारें पड़ रही हैं, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई है। मौसम विभाग के अनुसार, सीहोर समेत पूरे मध्य प्रदेश में इस बार मानसून की एंट्री में थोड़ी देरी हो सकती है। आमतौर पर 10 से 15 जून तक आने वाला मानसून इस साल 20 जून के आसपास सीहोर जिले में दस्तक दे सकता है। वर्तमान में हो रही बारिश प्री-मानसून गतिविधियों और पश्चिमी विक्षोभ के असर का परिणाम है। अनुमान है कि 20 से 30 जून के बीच मानसून पूरे जिले को कवर कर लेगा। मौसम में आए इस बदलाव से गर्मी से राहत मिली है, लेकिन मौसम विभाग ने आंधी-तूफान को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

रतलाम में आग से बचने खिड़की से कूदा परिवार:सारा सामान खाक

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के माणकचौक क्षेत्र में सोमवार देर रात करीब तीन बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के दौरान मकान में फंसे एक दंपती ने सूझबूझ दिखाते हुए अपने तीन साल के मासूम बच्चे के साथ खिड़की से नीचे कूदकर बमुश्किल अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

खिड़की से छलांग लगाकर बचाई मासूम और खुद की जान: रात के समय जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, तभी अचानक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से फैल गईं और पूरे घर में दमघोंटू धुआं भर गया। बाहर निकलने का मुख्य रास्ता बंद होने के कारण दंपती अपने तीन साल के बच्चे को गोद में लेकर खिड़की की ओर भागे और वहां से नीचे छलांग लगा दी। गनीमत रही कि इस खतरनाक कदम के बाद भी तीनों सुरक्षित बच गए।

शॉर्ट सर्किट से हादसा होने की आशंका, जांच जारी: इस भीषण अग्निकांड में घर के अंदर मौजूद कपड़े, दस्तावेज, राशन और अन्य कीमती घरेलू सामग्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सका है। प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि बिजली की लाइनों में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से यह हादसा हुआ है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

लखनऊ यार्ड ब्लॉक- टर्मिनल और रूट बदले गए इटारसी से गुजरने वाली 4 ट्रेनें प्रभावित, यात्रियों को होगी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में चल रहे यार्ड ब्लॉक के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। इटारसी होकर गुजरने वाली तीन और एक भोपाल होकर चलने वाली ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। इनमें कुछ ट्रेनों का टर्मिनल बदला गया है, जबकि कुछ का मार्ग परिवर्तित किया गया है। रेलवे के अनुसार, यशवंतपुर-लखनऊ एक्सप्रेस (22683) 1 जून को लखनऊ के बजाय उतरेटिया स्टेशन तक ही संचालित की गई। इसी तरह, लखनऊ-यशवंतपुर एक्सप्रेस (22684) 4 जून को लखनऊ के स्थान पर उतरेटिया स्टेशन से रवाना होगी। इससे लखनऊ तक यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। मार्ग परिवर्तन के तहत, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस (15066) 1 से 3 जून तक अपने निर्धारित मार्ग मानक नगर-लखनऊ-मल्हौर के बजाय मानक नगर-ऐशबाग-मल्हौर होकर चलेगी। इस अवधि में यह ट्रेन लखनऊ स्टेशन नहीं जाएगी और ऐशबाग तथा बादशाह नगर स्टेशनों पर ठहरेगी। इसके अतिरिक्त, लोकमान्य तिलक टर्मिनल-प्रतापगढ़ एक्सप्रेस (12173) 2 जून को कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-रायबरेली मार्ग के बजाय कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-फाफामऊ-प्रतापगढ़ होकर संचालित होगी। इस बदलाव के कारण यह ट्रेन लखनऊ, रायबरेली और अमेठी स्टेशन नहीं जाएगी, बल्कि प्रयागराज में ठहराव दिया जाएगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। इसके लिए रेलवे हेल्पलाइन 139 या हज्ञश्चस् का उपयोग किया जा सकता है।

खंडवा में जलकर खाक हुई जननी एक्सप्रेस: खालवा में रात में अचानक भड़की आग चालक खाना खाने गया था

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के खालवा विकासखंड में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात 108 जननी एक्सप्रेस सेवा का एक वाहन आग की चपेट में आने से पूरी तरह जलकर खाक हो गया। यह घटना सेंधवाल लोकेशन से संचालित जननी एक्सप्रेस वाहन (ष्ट्र 04 हुड्ड 2394) की है। गनीमत रही कि हादसे के समय गाड़ी के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के अनुसार, जननी एक्सप्रेस के पायलट (चालक) ने रातभर अपनी ड्यूटी की थी। इसके बाद तड़के करीब 4:30 बजे उसने वाहन को अपने गृह ग्राम मल्हारगढ़ में ग्राम पंचायत की बाउंड्रीवाल के पास खड़ा कर दिया था। चालक वाहन खड़ा करने के बाद खुद भोजन करने के लिए अपने घर चला गया

और इसी दौरान गाड़ी में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने दी सूचना, एक घंटे तक बुझाने का किया प्रयास वाहन में आग लगने के कुछ देर बाद गांव के एक व्यक्ति ने चालक के घर पहुंचकर उसे घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही चालक तुरंत मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आग तेजी से फैलकर विकराल रूप ले चुकी थी। इसके बाद चालक और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर करीब एक घंटे तक लगातार पानी डाला और आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन संसाधनों की कमी और आग की तीव्रता के चलते एम्बुलेंस को बचाया नहीं जा सका।

ऊंची लपटों से दहशत, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी भीषण थी कि वाहन से कई फीट ऊंची लपटें उठने लगी थीं, जिससे मौके पर दहशत फैल गई। देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में एम्बुलेंस का अधिकांश हिस्सा जलकर नष्ट हो गया। संबंधित अधिकारियों को घटना की सूचना दे दी गई है। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक वजह का खुलासा विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली इस जननी एक्सप्रेस के नष्ट होने से सेंधवाल और आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है।

होटल पैराडाइज लिखे वाहन से 10 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की मकरोनिया थाना पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर एक लोडिंग वाहन (क्रमांक स्क्क-13-ष्ठ-4698) से अवैध रूप से ले जाई जा रही 10 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस जब्त वाहन पर शहर की नामचीन 'होटल पैराडाइज' का नाम दर्ज है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख चालक वाहन को मौके पर ही लावारिस छोड़कर रफूचक्कर हो गया। यह संदिग्ध लोडिंग गाड़ी सोमवार को मुख्य शहर से रवाना होकर मकरोनिया चौराहा पार करते हुए बहेरिया रोड की ओर आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी की और बीच रास्ते में गाड़ी को रोककर जब उसके पिछले हिस्से की तलाशी ली, तब आबकारी एक्ट के उल्लंघन का यह मामला उजागर हुआ।

स्त्रोत और ठिकाने का पता लगाने में जुटी पुलिस: मकरोनिया थाना प्रभारी रविंद्र सिंह चौहान ने बताया कि केस दर्ज कर फरार आरोपी चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अब इस बिंदु पर सघन पड़ताल कर रही है कि अंग्रेजी शराब की यह खेप कहां से उठाई गई थी और इसकी फाइनल डिलीवरी कहां होनी थी। वाहन पर होटल का नाम लिखे होने के संबंध में भी कड़ियों को जोड़ा जा रहा है।

खंडवा में 70किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में नौतपा के आठवें दिन यानी सोमवार दोपहर को अचानक तेज हवा और आंधी चलने से जगह-जगह नुकसान होने की खबरें सामने आई हैं। धूल के बवंडरों से लोग सकते में आ गए। वहीं शहर में कई जगह पेड़ों की बड़ी-बड़ी डालियां टूटकर सड़क पर बिखर गईं। मुख्य बाजार में होटल और दुकानों पर लगे होर्डिंग्स गिर पड़े। हवा की गति करीब 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रही। कुछ देर बाद बारिश ने धूल को शांत किया और मौसम में ठंडक बनी रही। करीब दो घंटे तक शहरी क्षेत्र में बिजली सप्लाई भी प्रभावित रही।

अगले पांच दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान: मौसम विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते आंधी-तूफान और बारिश के हालात बन रहे हैं। उत्तर भारत में इसका असर सक्रिय है। गुजरात में बारिश होने से इसका असर सीमावर्ती जिलों में भी दिखाई दे रहा है। अगले 5 जून तक ऐसी ही स्थिति बनी रहेगी। ज्यादातर शाम के समय 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

सागर में चाकूबाजी के आरोपियों का निकाला पैदल जुलूस: दो नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार शराब के पैसे न देने पर बुजुर्ग को मारा था चाकू

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने चाकूबाजी कर लूटपाट करने वाले दो बालिग और दो नाबालिग सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने के बाद पुलिस सभी आरोपियों को जुलूस के रूप में पैदल चलाकर कोर्ट में पेश करने ले गई। इन बदमाशों ने 29 मई की रात को टहलने निकले एक बुजुर्ग से शराब के लिए पैसे मांगे थे और विरोध करने पर उन पर चाकू से जानलेवा हमला कर दो हजार रुपए लूट लिए थे। पुलिस के अनुसार, राजीव नगर वार्ड निवासी भगवानदास उर्फ भावेश राय (52) ने थाने में इस वारदात की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके बड़े भाई घनश्याम राय रोजाना की तरह रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद टहलने के लिए सागर सरोज होटल मार्ग पर गए थे। इसी दौरान संस्कृत विद्यालय के पास कुछ युवकों ने

अचानक उनका रास्ता रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

पैसे नहीं देने पर घोंपा चाकू: आरोपियों ने घनश्याम राय से शराब पीने के लिए पैसों की मांग की थी। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपियों ने चाकू दिखाकर उनकी शर्ट की जेब में रखे करीब दो हजार रुपए जबरन छीन लिए। घनश्याम ने जब इसका विरोध किया, तो बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और जान से मारने की नीयत से उनके कंधे के नीचे चाकू घोंप दिया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें घायल बुजुर्ग पीठ में चाकू धंसे होने के बावजूद सड़क पर पैदल जाते हुए दिखाई दे रहे थे।

दबिश देकर दबोचे गए आरोपी, वारदात में इस्तेमाल चाकू जब्त: घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की थीं। पुलिस की टीमों ने अलग-अलग संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देकर संदेहियों को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ के बाद आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि इस मामले में नितिन अहिरवार (21 वर्ष, निवासी मरघटा के पास, काकागंज वार्ड) और चंदन अहिरवार (25 वर्ष, निवासी तालाब के पास, काकागंज वार्ड) सहित दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नौतपा में बारिश, तापमान में गिरावट :शहर में रिमझिम फुहारें गर्मी से मिली राहत पारा 32 डिग्री पर

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। भीषण गर्मी और तपती धूप से परेशान लोगों को आखिरकार राहत सोमवार को मिली है। नौतपा के दौरान शहर में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जहां कुछ दिन पहले तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच था, वहीं अब यह गिरकर करीब 32 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। नौतपा में आमतौर पर तेज गर्मी पड़ती है, लेकिन इस बार मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सोमवार सुबह से ही शहर में रिमझिम बारिश का दौर जारी है। बारिश रुक-रुककर हो रही है, और बादलों की आवाजाही बनी हुई है। ठंडी हवाओं ने भी मौसम को खुशनुमा बना दिया है, जिससे लोगों को काफी सुकून मिला है। गर्मी और उमस के कारण दोपहर के समय घरों में रहने को मजबूर लोग अब बाहर निकल रहे हैं। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी मौसम का सकारात्मक असर दिख रहा है। शहरवासियों का कहना है कि जून की शुरुआत में ऐसा सुहावना मौसम लंबे समय बाद देखने को मिला है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, नौतपा के दौरान हुई यह बारिश आगामी मानसून की गतिविधियों के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यदि मौसम का यह मिजाज बना रहता है, तो आने वाले दिनों में भी तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है और अच्छी बारिश की संभावना मजबूत हो सकती है।

खरीफ सीजन की तैयारी तेज, जिले में उर्वरक का पर्याप्त भंडारण अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदारी करने की अपील

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। आगामी खरीफ सीजन को ध्यानगत रखते हुए जिले में किसानों के लिए उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित कर लिया गया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार समय रहते उर्वरकों एवं बीजों की व्यवस्था कर लें तथा केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही कृषि आदान सामग्री क्रय करें। जिले में इस वर्ष खरीफ मौसम के दौरान लगभग 3 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन तथा 82 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुवाई एवं रोपाई प्रस्तावित है। किसानों की संभावित मांग को देखते हुए जिले की सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में जिले में यूरिया 17,144 मीट्रिक टन, डीएपी एवं टीएसपी 2,328 मीट्रिक टन, एनपीके 7,798 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 5,281 मीट्रिक टन उपलब्ध है। कृषि विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि वे खरीफ फसलों की तैयारी के तहत सोयाबीन एवं धान के उन्नत बीजों की व्यवस्था समय रहते कर लें। साथ ही बीज उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां भी पहले से खरीदकर रखें, ताकि अनुकूल मौसम मिलने पर बीज उपचार के बाद समय पर बुवाई की जा सके। विभाग ने किसानों को सावधान करते हुए कहा है कि बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाइयों की खरीद केवल लाइसेंसधारी और अधिकृत विक्रेताओं से ही करें। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति, संस्था अथवा बिचौलिए से कृषि सामग्री खरीदने से बचें। खरीदारी के दौरान पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर शिकायत अथवा गुणवत्ता संबंधी जांच में सहायता मिल सके। शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रणाली के अंतर्गत किसान ई-टोकन प्राप्त कर यूरिया सहित सभी प्रकार के उर्वरक अपनी आवश्यकता के अनुसार प्राप्त कर सकते हैं। भविष्य में अतिरिक्त आवश्यकता होने पर भी ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि उपसंचालक ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों की अनुशंसित आवश्यकता के अनुसार उर्वरक प्राप्त करने के लिए ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन कर ई-टोकन हासिल करें तथा निकटतम सेवा सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रेता से सुविधानुसार उर्वरक प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि समय पर कृषि आदानों की व्यवस्था एवं वैज्ञानिक अनुशंसाओं का पालन कर किसान खरीफ फसलों का बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि विभाग द्वारा जिलेभर में सफलतापूर्वक संचालित किया गया कृषि रथ

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में कृषि रथ का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस कृषि रथ के माध्यम से विभिन्न ग्रामों में पहुँचकर किसानों को कृषि संबंधी नवीन तकनीकों, विभागीय योजनाओं एवं प्राकृतिक खेती के विषय में जानकारी दी गई एवं किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को संतुलित उर्वरकों के उपयोग के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए मृदा परीक्षण के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग हेतु प्रेरित किया गया। किसानों को खाद वितरण की ई-टोकन प्रणाली संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा ई-टोकन जनरेट करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन कर उन्हें इसकी उपयोगिता एवं लाभों से अवगत कराया गया। साथ ही मिट्टी परीक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आगामी खरीफ फसल की तैयारी संबंधी तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (INM), एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन (IPM), फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों तथा कृषि को अधिक लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपायों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान, लालथंटलुआंगी और डबास को मिली टीम में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले स्नद्ब॥ हॉकी महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। भारत 15 जून को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके एक दिन बाद उसका सामना जापान से होगा। पूल चरण के अंतिम मैच में उसका मुकाबला 18 जून को उरुग्वे से होगा। सेमीफाइनल 20 जून और फाइनल 21 जून को खेला जाएगा।

सलीमा टेटे इस टूर्नामेंट में भी टीम की कप्तानी करेगी। सविता और बिचु देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। रक्षा पंक्ति में अनुभवी सुशीला चानू, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और ज्योति के साथ लालथंटलुआंगी और डबास भी शामिल होंगी, जिन्हें

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान पहली बार सीनियर टीम में जगह मिली थी। मध्य पंक्ति की कमान सलीमा संभालेंगी, जिन्हें नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा और ऑस्ट्रेलिया में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाली दीपिका सोरेंग का सहयोग मिलेगा।

अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, अन्नु और इशिका शामिल हैं जिन्हें अटैकिंग मिडफील्डर लालरेम्सियामी और सोनम का भी सहयोग मिलेगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के सफल दौरे के बाद नेशंस कप में भाग लेगी। भारत ने चार मैच की यह श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कराई थी। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, नेशंस कप हमारे लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। हम वहां जाकर पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना चाहते हैं। हम आगे बढ़ने के लिए मानक स्थापित करना चाहते हैं।

टीम :

- **गोलकीपर :** सविता, बिचू देवी खारीबाम
- **डिफेंडरः** सुशीला चानू पुखरंबम, इशिका चौधरी, लालथंटलुआंगी, शिल्पी डबास, ज्योति, निक्की प्रधान
- **मिडफील्डर :** सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, दीपिका सोरेंग, सोनम, लालरेम्सियामी
- **फॉरवर्ड :** नवनीत कौर, दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका, अन्नू।

हमने एक ऐसी टीम का चयन किया है जो अनुभवी है और जिसमें जीतने की ललक है। सविता, सुशीला, निक्की और नवनीत जैसी खिलाड़ी पहले भी बड़े टूर्नामेंट खेल चुकी हैं और जानती हैं कि दबाव में अच्छा प्रदर्शन कैसे किया जाता है।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे।

ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है।

वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने फीफा विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, वोल्पाटो को मिली जगह

सिडनी, एजेंसी। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपनी टीम का की घोषणा कर दी है इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो पहली बार विश्व कप खेल सकते हैं और दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। चयनकर्ताओं ने टीम में इटली में रहने वाले अटैकिंग प्लेमेकर क्रिस्टियन वोल्पाटो को भी शामिल किया गया है। वोल्पाटो ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इटली के बजाय ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलने का फैसला किया

है और वह वर्ल्ड कप में अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार हैं। 22 साल के वोल्पाटो का जन्म ऑस्ट्रेलिया में हुआ था, लेकिन उन्होंने यूथ इंटरनेशनल स्तर पर इटली की तरफ से खेला था। टीम में उनके साथ ऐसे स्ट्राइकर टेटे येंगी भी शामिल हैं, जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है और जो जापान में क्लब फुटबॉल खेलते हैं।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका, एजेंसी। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है। यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था।

आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान

पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है।

कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है।

वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के

अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

भारत और अफगानिस्तान टीम का कार्यक्रम इस प्रकार है :

टेस्ट मैच- 6 जून से 10 जून, न्यू चंडीगढ़ में सुबह 9.30 बजे से

पहला एकदिवसीय - 13 जून, धर्मशाला में दोपहर 1.30 बजे से

दूसरा एकदिवसीय- 17 जून, लखनऊ में दोपहर 1.30 बजे से

तीसरा एकदिवसीय 20 जून, चेन्नई में दोपहर 1.30 बजे से

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी थी। एकदिवसीय सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या का खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। अब इस सूची में विराट का नाम भी जुड़ गया है।

टेस्ट टीमः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेट-कीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल (विकेट-कीपर)

एकदिवसीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा*, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेट-कीपर), ईशान किशन (विकेट-कीपर), हार्दिक पांड्या*, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे

फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर

चार बार की चैंपियन स्वियातेक को कोस्त्युक ने हराया

पेरिस, एजेंसी। फ्रेंच ओपन 2026 में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। महिलाओं के एकल वर्ग में यूक्रेन की 15वीं वरीयता प्राप्त मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

एक घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में कोस्त्युक ने शानदार खेल दिखाया। पहले सेट में कड़ी चुनौती मिलने के बाद स्वियातेक दूसरे सेट में लय हासिल नहीं कर सकीं और सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गई।

हार के बाद स्वियातेक ने क्या कहा? हार के बाद स्वियातेक ने स्वीकार किया कि वह मैच के दौरान अपना नियंत्रण खो बैठीं। उन्होंने कहा, %मैंने मैच पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वापसी का कोई रास्ता नहीं मिला। आज मैं इसलिए हारी क्योंकि मार्ता ने अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, जबकि मैं काफी दबाव में थी। अब मुझे भरोसा रखना होगा कि मैं इस मुश्किल दौर से उबर सकती हूं।

क्वार्टरफाइनल में यूक्रेनी खिलाड़ियों की भिड़ंतः अब कोस्त्युक का सामना क्वार्टरफाइनल में अपनी हमवतन एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।

17 साल बाद क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं सिरिस्टर्या...

महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में रोमानिया की सोराना सिरिस्टर्या ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। सिरिस्टर्या ने 2009 के बाद पहली बार रोलां गैरोस के अंतिम आठ में जगह बनाई है। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल भी है। सिरिस्टर्या ने कहा, मैं इस सीजन को अपने करियर का आखिरी साल मानकर खेल रही हूं। मैं शानदार विदाई चाहती थी, लेकिन इतनी बड़ी सफलता की उम्मीद नहीं थी।

- **एंड्रीवा से होगी सिरिस्टर्या की टक्कर...** अब सिरिस्टर्या का सामना रूस की युवा स्टार मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने स्विट्जरलैंड की जिल टाइचमैन को 6-3, 6-2 से हराकर लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

वांग शियू का यादगार अभियानः हालांकि वांग शियू हार गईं, लेकिन यह टूर्नामेंट उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। वह पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचीं।

मैहर में आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

उत्कृष्ट खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को किया गया सम्मानित, खेलों में अनुशासन और आत्मविश्वास पर जोर

मीडिया ऑडीटर, मैहर, (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार आयोजित आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह 1 जून को मैहर में आयोजित किया गया। यह एक माह तक चलने वाला शिविर 1 मई से 31 मई 2026 तक संचालित रहा जिसमें जिले के विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा को निखारा समापन समारोह में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैहर चंचल नागर उपस्थित रही। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं बल्कि अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक होते हैं उन्होंने युवाओं को खेलों में निरंतर भाग लेने और सकारात्मक खेल संस्कृति अपनाने की प्रेरणा दी कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खेलों में श्रेष्ठता दिखाने वाले खिलाड़ियों के नाम उजागर किए गए और उनके उपलब्धि पर सभी ने बधाई दी। इसके अलावा, शिविर के दौरान खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने वाले कोच और प्रशिक्षक भी सम्मानित किए गए। इस अवसर पर खेल अधिकारी रितिका दुबे और खेल प्रशिक्षक एस.पी. तिवारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की शिविर में शामिल सभी प्रतिभागियों ने सक्रियता समर्पण और टीम भावना के साथ खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया। प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण फिटनेस और खेल की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया इसके अलावा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल नैतिकता के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया समापन समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर युवाओं को न केवल खेल में दक्षता प्रदान करते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन भी विकसित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन को जारी रखने और खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रेरित करने का संकल्प व्यक्त किया आरोह-2026 शिविर ने मैहर जिले के खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का मंच उपलब्ध कराया और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार किया इस आयोजन ने खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुश्तैनी जमीन के नामांतरण को लेकर विवाद, जांच की मांग तेज

ग्रामीणों ने फर्जी दस्तावेजों के उपयोग का लगाया आरोप, प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रघुराजनगर तहसील के ग्राम डेलौरा में पुश्तैनी भूमि के नामांतरण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कुछ ग्रामीणों और परिजनों ने ओमप्रकाश नामदेव पर कथित रूप से फर्जी शपथ-पत्रों के आधार पर भूमि अपने नाम कराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की गई है शिकायतकर्ताओं का दावा है कि संबंधित भूमि पारिवारिक स्वामित्व की है और नामांतरण की प्रक्रिया में आवश्यक तथ्यों एवं दस्तावेजों की पर्याप्त जांच नहीं की गई उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में सभी पक्षकारों को नोटिस एवं सुनवाई का अवसर दिए बिना कार्रवाई की गई है ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की तकनीकी एवं राजस्व जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि दस्तावेजों और नामांतरण आदेशों की निष्पक्ष जांच की जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है मामले में शिकायतकर्ताओं ने संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की मांग करते हुए आर्थिक अपराध अन्वेषण इकाई (ईओडब्ल्यू) अथवा सक्षम एजेंसी से जांच कराने की मांग उठाई है। वहीं, आरोपों को लेकर संबंधित पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और ग्रामीण प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

सचिव की कार्यशैली से महिला सरपंच नाराज, जनपद सदस्य के नेतृत्व में कलेक्टर को दिया ज्ञापन

8 जून से अनिश्चितकालीन अनशन की चेतावनी, पंचायत विकास कार्य ठप होने की चिंता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिंहपुर जिले की ग्राम पंचायत रौड में पदस्थ सचिव कुंवर बहादुर सिंह की कार्यशैली को लेकर महिला सरपंच एवं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन पर दबाव डालना शुरू कर दिया है महिला सरपंच और जनपद सदस्य सपना युवराज सिंह एवं सीमा बागरी के नेतृत्व में पंचायत के पंच एवं ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और सचिव के विरुद्ध गंभीर आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि सचिव द्वारा निर्माण कार्यों के भुगतान लंबित रखे जा रहे हैं जिससे पंचायत में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके अलावा, सचिव पर महिला सरपंच के साथ अभद्र व्यवहार करने, नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित न रहने और नागौद स्थित निजी निवास से पंचायत का संचालन करने के आरोप लगाए गए हैं सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने बताया कि सचिव की कार्यशैली के संबंध में पूर्व में भी कई शिकायतें और आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इससे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन हो रहा है और ग्राम पंचायत की प्रशासनिक व्यवस्था बाधित हो रही है ज्ञापन में जिला एवं जनपद प्रशासन से स्पष्ट रूप से मांग की गई है कि 6 जून 2026 तक पूर्व में प्रस्तुत सभी शिकायतों और आवेदनों का समाधान किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयसीमा तक कोई कार्रवाई नहीं हुई तो 8 जून 2026 से क्षेत्रीय जनपद सदस्य सरपंच, पंच एवं ग्रामीण नागौद कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण अनशन शुरू करेंगे आंदोलन की घोषणा करते हुए सरपंच और ग्रामीणों ने कहा कि अनशन के लिए विवश होने की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला एवं जनपद प्रशासन की होगी। इस मामले ने क्षेत्र में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर ग्रामीण और जनप्रतिनिधि बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

मैहर जनसुनवाई में पहुंचे 118 आवेदन कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया जनसुनवाई में कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से प्राप्त 118 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे आवेदनों में राजस्व प्रकरण भूमि संबंधी विवाद, पेयजल व्यवस्था विद्युत आपूर्ति सड़क निर्माण सामाजिक सुरक्षा पेंशन आवास योजनाओं के लाभ प्रमाण-पत्र संबंधी समस्याएं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से जुड़े मामलों को प्रमुखता से उठाया गया कलेक्टर मुखर्जी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है तथा नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि जिन मामलों का निराकरण स्थानीय स्तर पर संभव है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र हल किया जाए। साथ ही लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। जनसुनवाई के दौरान कुछ मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए इस अवसर पर एसडीएम मैहर दिव्या पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने संबंधित आवेदनों की जानकारी लेकर समाधान की प्रक्रिया प्रारंभ करने का आश्वासन दिया जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजन की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं और समाधान की उम्मीद जताई जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से आयोजित की जा रही जनसुनवाई नागरिकों की शिकायतों के निवारण तथा प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

उपयंत्री की पंचायतों की जांच की मांग, आप नेता ने लगाए गंभीर आरोप

बदेरा क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं पर उठे सवाल, प्रशासन पर दबाव

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बदेरा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पदस्थ उपयंत्री धनंजय त्रिपाठी की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक विवाद तेज होता नजर आ रहा है आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव उमेश चौधरी ने पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई और कई गंभीर आरोप लगाए उमेश चौधरी का कहना है कि क्षेत्र के लोगों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं जिनमें पंचायतों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि उपयंत्री के कार्यक्षेत्र में आने वाली पंचायतों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो कई तथ्य सामने आएंगे चौधरी ने जिला पंचायत सीईओ जनपद पंचायत सीईओ, एसडीएम और जिला प्रशासन से अपील की कि उपयंत्री के क्षेत्र की सभी पंचायतों के विकास कार्यों की तकनीकी और वित्तीय जांच सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि जल्द ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा उमेश चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि शिकायतों पर समयबद्ध और उचित कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्र में जनआंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा हालांकि, आरोपों को लेकर संबंधित अधिकारियों और उपयंत्री की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है फिलहाल बदेरा क्षेत्र में पंचायत कार्यों की पारदर्शिता और गुणवत्ता को लेकर बहस तेज हो गई है और स्थानीय लोग प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर निगाह बनाए हुए हैं। राजनीतिक दलों और ग्रामीण समुदायों के बीच यह मुद्दा व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 151 आवेदकों की समस्याएं

समय-सीमा में निराकरण के निर्देश, राजस्व, बिजली, पानी और आवास से जुड़े मामलों पर हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 151 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार, सिंचाई सुविधाओं की कमी, बिजली एवं पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी जनसुनवाई में कई आवेदकों ने व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं को भी रखा जिन पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा मौके पर ही कुछ मामलों का निराकरण भी किया गया जिससे आवेदकों ने संतोष व्यक्त किया इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एल.आर. जांगड़े तथा डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

वनरक्षक एवं जेल प्रहरी की परीक्षा के लिए उडनदस्ता दल गठित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित वन विभाग के अंतर्गत वनरक्षक एवं क्षेत्र रक्षक तथा जेल विभाग के अंतर्गत जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक की परीक्षा 4 जून से 8 जून 2026 तक सतना जिले के 3 परीक्षा केन्द्रों में दो पाली में आयोजित की जा रही है जिसमें आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस सतना आदित्य कॉलेज ऑफमैनेजमेंट एवं मां मीरा कान्वेन्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल डाली बाबा डेलौरा में परीक्षा आयोजित की जायेगी। यह परीक्षा प्रथम पाली में प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 2.30 बजे से सायं 4.30 बजे आनलाइन परीक्षा आयोजित की गईहै। परीक्षा में अभ्यर्थियों की रिपोटिंग का समय प्रथम पाली प्रात: 8 बजे से प्रात: 9.30 बजे तक एवं द्वितीय पाली में दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है।

बैठक में पदाधिकारीयो की हुई घोषणा : पत्रकार कल्याण परिषद की संभागीय बैठक चित्रकूट में संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पत्रकार कल्याण परिषद विस्तार कार्यक्रम 2026 के अनुसार रीवा संभाग की बैठक 31 मई को अतिथि गृह जानकी कुंड चित्रकूट में संपन्न हुई बैठक का मार्गदर्शन बेदान्ती त्रिपाठी ने किया बैठक की अध्यक्षता संभागीय संयोजक हामिद खान ने की सतना जिलाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने बैठक का नेतृत्व किया।कार्यक्रम के व्यवस्थापक अर्जुन उर्मालिया रहे पंडित महेश तिवारी ने बैठक का संचालन किया उपस्थित सदस्यों ने रीवा संभाग की बैठक में विस्तार बिंदु पर सक्रियता एवं युवा टीम को पत्रकार कल्याण परिषद में जिम्मेदारी देने की बात कही सदस्यों द्वारा बात रखी गई कि सम्मेलन-अधिवेशन और बैठकों में जो योजना बनती है उसका पालन वरिष्ठ पदाधिकारी ही नहीं करते इस कारण हम अपने उद्देश्य से सफल नहीं होते हैं। वरिष्ठ साथी वीरेंद्र गुप्ता ने अपनी बात में यह भी कहा कि जो प्रस्ताव और तथ्य बैठकों में लाया जाए, वरिष्ठ पदाधिकारी भी उस पर अमल करें उनसे प्रेरणा लेकर पत्रकार कल्याण परिषद के सभी सदस्यों में सक्रियता आएगी। सतना जिलाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि बैठकों से कुछ नहीं होगा जो चर्चा में निर्णय हो उसका क्रियान्वयन होना चाहिए उन्होंने अनेक मुद्दे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए, सक्रियता के साथ संगठन को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव उन्होंने प्रस्तुत किया इस विषय पर अवध नरेश शर्मा, पंकज पाठक, महेश तिवारी, आनंद मिश्रा, आर्यन शर्मा, अर्जुन उर्मालिया ने अपने-अपने विचार रखें योजना निर्धारण विषय पर प्रदेशव्यापी यात्रा बनाए जाने का प्रस्ताव रीवा जिला अध्यक्ष पंकज पाठक ने रखा।होर्डिंग-पोस्टर प्रमुख शहर और स्थान में लगाया जाए, शोसल मीडिया का उपयोग किया जाए अपने व्यक्तिगत संपर्कों का उपयोग किए जाने का प्रस्ताव आया आर्थिक व्यवस्था के विषय पर संभागीय संयोजक हामिद खान ने 5100 रूपये , वेदान्ती त्रिपाठी ने 11000 रुपए, आनंद मिश्रा मऊगंज जिलाध्यक्ष ने 2100 रूपये, सतना जिलाध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने 5100 रुपए, महेश तिवारी ने 5100 रुपए, अर्जुन उर्मालिया ने 2100 रूपये सहयोग प्रदान कर राशि कोष में जमा करवाई। वही 5100 वीरेंद्र गुप्ता मझगवा एवं 5100 उमेश गर्ग का द्वारा सहयोग राशि देने की घोषणा की गई। जो शीघ्र ही जमा करा दी जाएगी विस्तार कार्यक्रम में पत्रकार कल्याण परिषद के साथी आनंद मिश्रा को मऊगंज जिलाध्यक्ष, पंकज पाठक की सक्रियता को महत्व देते हुए रीवा जिलाध्यक्ष घोषित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार दीपेंद्र गौतम को सेमरिया तहसील का अध्यक्ष एवं आर्यन शर्मा को मझगवां तथा अजय गुप्ता को चित्रकूट का अध्यक्ष घोषित किया गया। सभी नए पदाधिकारियों से सक्रियता एवं समर्पण से अपने दायित्व का निर्वाह करने की अपेक्षा की गई है इस अवसर पर चित्रकूट के संत स्वामी जीवनदास जी महाराज एवं सेमरिया नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अजय शुक्ला का शाल- स्मृति चिन्ह एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया गया संपन्न बैठक में चित्रकूट दैनिक जागरण संवाददाता स्वामी जीवनदास जी महाराज, पुष्पराज त्रिपाठी, शांतनु त्रिपाठी, मैहर जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा, पंकज पाठक, वीरेंद्र गुप्ता, अभिनव सेन, पवन सिंह बघेल सतना, अजय शुक्ला, अजय गुप्ता, अवध नरेश शर्मा, उमाकांत विश्वकर्मा, दीपेंद्र गौतम सेमरिया अध्यक्ष, आर्यन शर्मा मझगवा अध्यक्ष, चित्रकूट अध्यक्ष अजय गुप्ता, अर्जुन उर्मालिया, विनोद अग्रवाल, महेश तिवारी, हामिद खान, सतीश बाबा, मयंक देव, अंचल साहू समेत अन्य पत्रकार इस बैठक पर मौजूद रहे।

श्री संतधाम में गूंज रही शिव महिमा श्री शिव कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। श्री संतधाम में महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में आयोजित भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत चल रही दिव्य श्री शिव कथा के कारण संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति रस से सराबोर हो उठा है कथा के पावन अवसर पर कथाव्यास पूज्य श्री अंकुश महाराज ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से भगवान शिव की महिमा उनके आदर्शों और सनातन धर्म के मूल्यों का विस्तार से वर्णन किया कथाव्यास ने कहा कि भगवान शिव करुणा, त्याग, तपस्या और लोककल्याण के प्रतीक हैं जो श्रद्धा से शिव का स्मरण करता ह उसके जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है उन्होंने श्रद्धालुओं से जीवन में सदाचार, सेवा, भक्ति और अच्छे संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया आश्रम के ओमप्रकाश उदासीन एवं विनोद गेलानी ने बताया कि 30 दिवसीय भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत 2 जून से 5 जून तक श्री शिव कथा का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिवस कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर शिव महिमा का श्रवण किया भजन, कीर्तन एवं शिव नाम संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर स्वयं को धन्य अनुभव किया आयोजन के समापन पर महाआरती एवं प्रसादी वितरण भी किया जा रहा है श्री संतधाम सेवा मंडल ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लेने का आग्रह किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।